StudentBounty.com

HINDI

STATISTICS AT A GLANCE

Total Number of students who took the examination	97,287
Highest Marks Obtained	99
Lowest Marks Obtained	14
Mean Marks Obtained	80.71

Percentage of Candidates according to marks obtained

Details	Mark Range				
	0-20	***21-40***	***41-60***	***61-80***	***81-100***
Number of Candidates	13	335	5976	36661	54302
Percentage of Candidates	0.01	0.34	6.14	37.68	55.82
Cumulative Number	13	348	6324	42985	97287
Cumulative Percentage	0.01	0.36	6.50	44.18	100.00

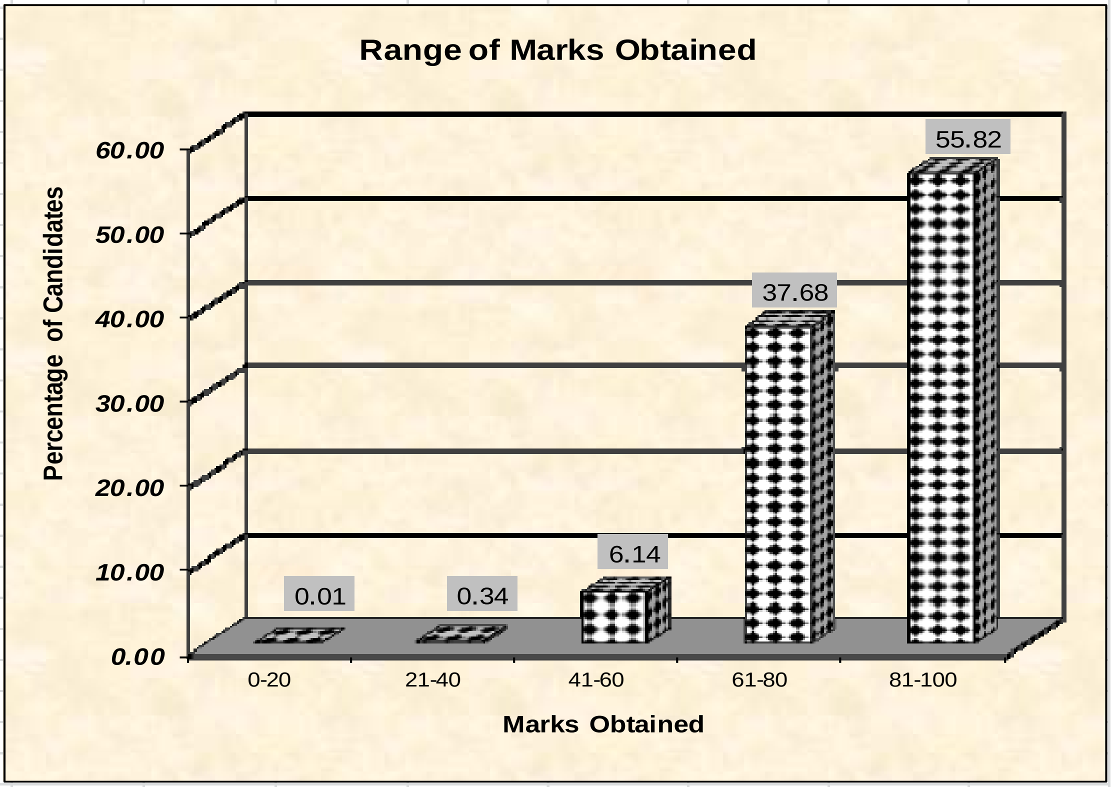

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

ICSE

HINDI

ANALYSIS OF PERFORMANCE FOR THE YEAR 2013

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any **one o**f the following topics:- **[15]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए–

(i) अपने परिवार के किसी ऐसे सदस्य का वर्णन कीजिए, जिसने आपको प्रभावित किया हो। बताइए कि उस व्यक्ति के प्रभाव ने आपके जीवन को किस प्रकार परिवर्तित किया? आपके गुणों को निखारने में और अवगुणों को दूर करने में उस व्यक्ति ने आपकी किस प्रकार सहायता की?

(ii) त्योहार हमें उमंग एवं उल्लास से भरकर अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं। आज-कल लोगों में त्योहारों को मनाने के प्रति उत्साह एवं आस्था का आभाव देखा जाता है? लोगों की इस मानसिकता के कारण बताते हुए जीवन में त्योहारों के महत्व का वर्णन कीजिए।

(iii) वर्तमान युग में इंटरनेट अपनी उपयोगिता के कारण एक आवश्यकता बनता जा रहा है। इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए और बताइए कि इंटरनेट जीवन में सुविधा के साथ-साथ मुसीबत किस प्रकार बन जाता है?

(iv) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो–

'परिश्रम ही सफलता का सोपान है।'

(v) दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

परीक्षकों की टिप्पणियाँ–

(i) अधिकांश विद्यार्थियों ने यह विकल्प चुना। सदस्यां का वर्णन करने में छात्र समर्थ रहे पर गुणों को निखारने में और अवगुणों को दूर करने में व्यक्ति ने कैसी सहायता की। इसका उत्तर छात्र नहीं लिख पाए। कुछ विद्यार्थी परिवार के सदस्यों के वर्णन में भ्रमित दिखाई दिये। अधिकांश छात्रों ने गुणों को निखारने का वर्णन तो भली प्रकार से किया लेकिन अपने अवगुणों को अधिक स्पष्ट नहीं कर पाए। कुछ बच्चों ने बहुत भावपूर्ण वर्णन किया है। कुछ विद्यार्थियों ने पारिवारिक सदस्यों के स्थान पर गुरू का वर्णन किया। कुछ छात्रों ने कई व्यक्तियों के बारे में लिखा है। भाव स्पष्ट करने में भी छात्र असमर्थ रहे। भाषा संबन्धी अशुद्धियाँ भी पायी गयी।

- छात्रों को स्पष्ट बताना चाहिए कि प्रस्तावना और उपसंहार के अलग-अलग अंक होते हैं अतः छात्र निबंध लिखते समय इसका विशेष ध्यान रखें।
- चित्र लेखन का अभ्यास भी कक्षा में करवाया जाना चाहिए। अभ्यास कराते समय चित्र की बारीकियों का भी ध्यान रखने को कहें।
- मुहावरों तथा उक्तियों का कक्षा में अभ्यास करवाना चाहिए। सामुहिक क्रिया के द्वारा भी इसे करवाया जा सकता है।
- श्रुतलेख द्वारा वर्त्तनी की अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(ii) अधिकतर छात्रों ने इस विकल्प का भी चयन किया। त्योहार हमें उमंग तथा उल्लास से भरते हैं। यह भाव तो बच्चे समझ पाए लेकिन हमारी संस्कृति से हमें किस प्रकार जोड़े रखते हैं। इस बात की गहराई को समझ पाने में सक्षम नहीं हुए। उत्साह तथा आस्था के अभाव पर खुलकर वर्णन नहीं कर पाए लेकिन कुछ बच्चों ने सफल प्रयास किया। त्योहार शब्द देखते ही बच्चों ने होली, दीपावली, क्रिसमस आदि त्योहारों का वर्णन कर दिया। मुख्य विषय त्योहारों को मनाने के प्रति उत्साह एवं आस्था का अभाव क्या है? इसका वर्णन नहीं किया। त्योहारों के महत्व को भी स्पष्ट नहीं लिखा। त्योहारों का महत्व लिखने में मुख्य बिन्दुओं में न्यूनता पायी गई। भाषा, वर्तनी तथा रचना सम्बन्धी त्रुटियाँ पाई गई।

(iii) अधिकांश विद्यार्थियोंने यह विषय चुना और प्रायः सभी विद्यार्थियों ने अच्छा लिखा है। निम्न स्तर के 'छात्र मुसीबत किस प्रकार बन जाता है' का भाग स्पष्ट नहीं कर पाए। कुछ विद्यार्थियों ने इस विषय को बहुत अच्छे से लिखा है। वर्तमान युग के उसके उपयोग व हानियाँ सभी से वे पूर्ण परिचित थे। इंटरनेट का विषय बच्चों के अनुकूल था।

(iv) बहुत कम विद्यार्थियों ने इस विकल्प का चयन किया। अधिकतर छात्रों ने उक्ति के अर्थ को स्पष्ट नहीं किया बल्कि सीधी कहानी लिखनी शुरू कर दी। कहानी लेखन में बच्चों ने शिक्षाप्रद कहानी लिखी केवल उक्ति का अर्थ स्पष्ट करने में लापरवाही का प्रदर्शन किया। कहानी में मौलिकता तथा रोचकता का अभाव था। कहीं-कहीं पर भाषा व व्याकरण में त्रुटियाँ पायी गयी।

(v) इस विकल्प का चयन बहुत कम छात्रों ने किया। लेकिन जिन्होंने भी किया बहुत ही भावपूर्ण ढंग से किया। पर चित्र परिचय का आभाव देखा गया। कुछ विद्यार्थियों को चित्र समझने में कठिनाई हुई क्योंकि चित्र अत्यधिक स्पष्ट नहीं था। कुछ विद्यार्थियों ने चित्र का पूर्ण विवरण नहीं दिया। कुछ छात्रों ने ऐसा लिखा जिसका सम्बन्ध चित्र के साथ नहीं था। कुछ छात्रों ने सिर्फ चित्र का वर्णन किया उस पर निबन्ध लिखने में असफल रहे।

- व्याकरण संबधी अशुद्धियों को कक्षा में बार-बार अभ्यास कराकर सुधार लाने का प्रयास करना चाहिए।
- कुछ ऐसा प्रयास करना चाहिए कि छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास किया जा सके।
- मौलिक एवं रोचक कहानी-लेखन के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।
- निबन्ध के सभी विषयों को ध्यानपूर्वक पढ़ने का निर्देश दें।
- विद्यार्थियों के गुणों व अवगुणों के बारे में कक्षा में उनसे पूछे जाएँ व उन्हें इसका पूर्ण ज्ञान कराया जाए।
- प्रस्ताव के हर बिंदु की ओर ध्यान दिलायें। विषय को ध्यानपूर्वक पढ़कर रूपरेखा तैयार करने को कहें। प्रयाप्त लिखित अभ्यास करवाएँ।
- कल्पनात्मक निंबधों का भी कक्षा में अभ्यास करायें। विद्यार्थियों को सिखाया जाए कि विशेषण, तुलना, उपमा एवं मुहावरों का प्रयोग करके भाषा को प्रभावशाली बनाएँ।
- विद्यालयों में समय-समय पर सभी त्योहारों के विषय पर नाटिका इत्यादि के माध्यम से त्योहारों के प्रति उल्लास की भावना को जाग्रत करवाया जाए।
- विचारात्मक विषयों पर कक्षा में वाद-विवाद करवाकर निबंध लेखन का अभ्यास करवाना चाहिए।
- पक्ष या विपक्ष में अपने विचार लिखने वाले निबंधों के सम्बन्ध में बच्चों को बताया जाये कि वे एक ही पक्ष में अपने विचार रखें।
- भूमिका, विषय वर्णन तथा उपसंहार-निबंध के इन तीनों भागों का महत्व बताकर लिखने का अभ्यास कराया जाना चाहिए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

अध्यापकों के लिए सुझाव–

- विद्यार्थियों को समझाएँ कि निबंध का मुल्यांकन विषय के सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जाता है अतः निबंध लिखने समय छात्र इस पर विशेष ध्यान दें।
- लोकोक्तियों का अर्थ कक्षा में स्पष्ट करना चाहिए। कक्षा में लोकोक्ति के आधार पर कहानी लिखने या बोलने का अभ्यास कराया जा सकता है।

योजना

प्रश्न 1

मूल्यांकन करते समय निम्न बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित किया गया–

विषय की भूमिका, विषय–वर्णन (सम्बन्धित उदाहरण, सूक्तियाँ, भाषा–शैली, अभिव्यक्ति–कौशल व विषय-विस्तार) एवं उपसंहार पर ध्यान दिया गया।

निबन्ध का आरम्भ व अन्त प्रभावपूर्ण होने पर, मध्यभाग में अनुच्छेदों की सहायता से विचारों के क्रमशः प्रस्तुतिकरण किए जाने पर, विषय का अर्थ भली प्रकार स्पष्ट किए जाने पर तथा विषय का महत्व/हानि-लाभ का यथोचित वर्णन किए जाने पर विद्यार्थियों को अति उत्तम अंक दिए गए हैं।

अशुद्ध वर्तनी, अशुद्ध भाषा, विषय से हटकर या अपनी इच्छानुसार विषय में परिवर्तन किए जाने पर अथवा विषय का अनावश्यक विस्तार किए जाने पर विद्यार्थियों के अंक काटे गए हैं।

Question 2

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any **one** of the topics given below:-

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:- **[7]**

(i) आपके क्षेत्र में सड़कों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह- जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुई नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

(ii) आपके विद्यालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माताजी को पत्र लिखकर बताइए कि वे आतिथि विद्यालय में क्यों आए थे और आपने उनके लिए क्या–कया किया?

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

परीक्षकों की टिप्पणियाँ–

(i) अधिकांश छात्रों ने इसी विषय का चुनाव किया है। पत्रों के प्रारूप के विषय में बहुत से विद्यार्थी भ्रमित दिखाई दिए। अधिकांश बच्चों ने सड़कों की हालत के विषय में तो विस्तार से वर्णन किया परन्तु स्पीड ब्रेकर किस प्रकार बाधक बन रहे है इसका वर्णन कर पाने में असमर्थ रहे। कुछ छात्रों ने पत्र के प्रारूप में त्रुटियाँ की है। कुछ छात्रों ने सभी मुख्य बिन्दुओं का समावेश नहीं किया। पत्र में मुख्य विषय में तीन बातें थी। सड़कों का टूटना, पानी जमा होना तथा स्पीड ब्रेकर। कुछ छात्रों ने केवल दो का ही वर्णन किया है। कुछ विद्यार्थी भवदीय के साथ आपका या भवदीय के स्थान पर आपका आज्ञाकारी जैसी त्रुटियां करते रहे। स्पीड ब्रेकर से होनी वाली परेशानियों का वर्णन नहीं कर पाए। व्याकरण तथा भाषा सम्बन्धी अशुद्धियों की अधिकता अधिक पायी गई। पत्र में औपचारिक शब्दों का अभाव पाया गया।

(ii) अधिकांश छात्रों ने पत्र लेखन के अर्न्तगत अनौपचारिक पत्र का विकल्प के रूप में चयन किया एवं अभिवादन का अभाव देखा गया। जिन छात्रों ने सम्बोधन में 'आदरणीय' लिखा है तो उसमें वर्तनी की त्रुटि दिखाई दी। मुख्य विषय आतिथि क्यों आए थे तथा आपने उनके लिए क्या-क्या किया। इसमें क्या-क्या किया तो लिखा किन्तु क्यों आये थे यह सब विद्यार्थियों ने नहीं लिखा। माताजी के लिए अभिवादन (सादर-प्रणाम) का प्रयोग अधिकतर विद्यार्थियों ने नहीं किया। अतिथि की देखभाल की जिम्मेदारी में उनके रहने व खाने-पीने के प्रबन्ध के बारे में बहुत कम विद्यार्थियों ने वर्णन किया है। शब्द विचार तथा वाक्य विन्यास की अशुद्धियाँ पायी गई।

अध्यापकों के लिए सुझाव–

- पत्र के प्रारूप का विशेष महत्व होता है अतः इसका ध्यान दिलाते हुए पत्र लेखन का नियमित अभ्यास करवाना चाहिए।
- पत्र में अभिवादन, सम्बोधन आदि पर विशेष ध्यान दिलाने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- पत्र के विषय को ध्यानपूर्वक पढ़ने व समझकर लिखने का निर्देश देना चाहिए।
- शब्द ज्ञान में वृद्धि के लिए नियमित रूप से नवीन शब्दों की सूची बनवाकर वाक्य प्रयोग द्वारा उनके अर्थ स्पष्ट करायें।
- औपचारिक पत्र का नियमित अभ्यास करवाया जाना चाहिए। इसके प्रारूप एवं उचित सम्बोधन इत्यादि पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।
- पत्र निर्देश को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए बार-बार प्रेरित करें जिससे अशुद्धियों से बचा जा सके।
- पत्र लिखवाने से पूर्व मौखिक चर्चा अवश्य करें।
- हिन्दी भाषा में रूचि जाग्रत कर वर्तनी और भाषा सुधार पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।
- शब्द एवं वाक्य विन्यास की शुद्धि पर ध्यान देने के लिए छात्रों को प्रेरित करें।
- विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान बढ़ाने वाले विषयों को देकर पत्र लेखन का अभ्यास करवाया जाना चाहिए।
- छात्रों के शब्द ज्ञान को बढ़ाने का प्रयत्न करें।
- औपचारिक पत्रों में औपचारिक शब्दों के प्रयोग की आवश्यकता से विद्यार्थियों को अवगत करायें।

अंक-योजना–

प्रश्न 2

पत्र-लेखन में पत्र के प्रारूप-पत्र प्राप्तकर्त्ता के पद, गरिमा आदि के अनुसार उचित सम्बोधन तथा

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

अभिवादन, दिनांक और मूल विषय पर विशेष महत्व दिया गया है। सरलता, स्पष्टता, और विषयानुरूप संक्षेप में की गई विचाराभिव्यक्ति एक अच्छे पत्र की पहचान है।

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:-

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिएंः-

नामू की माँ ने अपने बेटे से कहा, ''जा, कुल्हाड़ी लेकर पलाश के पेड़ से कुछ छाल उतार ला।''

''अभी लाया माँ।'' कहकर नामू ने कुल्हाड़ी उठाई और जंगल की ओर निकल गया। वहाँ उसने पलाश के पेड़ की छाल उतारी और फिर घर की ओर चल पड़ा। रास्ते में विचार करने लगा कि जब मैं कुल्हाड़ी से पेड़ पर प्रहार करता था, तो एक आवाज़ पेड़ से निकलती थी, कहीं वह आवाज़ पेड़ की कराह तो नहीं थी? जब मैं कुल्हाड़ी से पेड़ पर प्रहार करता होऊँगा, तो पेड़ को पीड़ा भी तो होती होगी।

नामू ने घर आकर पलाश की छाल माँ को सौंप दी और स्वयं घर से दूर कुल्हाड़ी लेकर जा बैठा। वहाँ बैठकर उसने कुल्हाड़ी से अपना पैर रगड़ना शुरू किया। रगड़ के साथ पाँव में पीड़ा भी होती थी, खून बहता था और नामू के मुँह से हल्की-हल्की चीखें भी निकलती थीं। यह सब उसने पेड़ की पीड़ा अनुभव करने के लिए किया था।

कुछ देर बाद वह घर लौट आया और माँ से खाना माँगा। उसके चेहरे पर पीड़ा की स्पष्ट रेखाएँ उभर आईं थीं, मगर वह चुप था। माँ ने देखा लेकिन कुछ समझी नहीं। एकाएक माँ की दृष्टि उसके कपड़ों पर पड़ी, जो खून से लाल हो चुके थे। माँ ने घबराकर पूछा, ''यह क्या हुआ, नामू?''

''कुछ नहीं माँ, तुम चिन्ता मत करो।''

माँ और अधिक घबराकर बोली, ''चिन्ता कैसे न करूँ बेटा, तेरे शरीर से खून देखकर मैं चिन्ता नहीं करूँगी, तो फिर और कौन चिन्ता करेगा?

नामू कहने लगा, ''माँ, तुमने पलाश की छाल मँगवाई थी, तो कुल्हाड़ी से छाल उतारते हुए, मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि पेड़ कराह रहा है और जैसे उसे पीड़ा हो रही है। अपने पाँव पर कुल्हाड़ी की रगड़ से मैं यह जानना चाहता था, कि क्या सभी को एक-सी पीड़ा होती है?''

बेटे की बात सुनकर, माँ का हृदय भर आया। माँ की आँखों से आँसुओं की धारा बह निकली। उसने नामू को गले लगाते हुए कहा, ''लगता है, मेरे पुत्र के रूप में किसी संत ने जन्म लिया है। बेटे, तू पराये दुःख से दुःखी होकर, उस दुःख को अनुभव करना चाहता थ; पराया दुःख भी पेड़ का, जिसमें तुझे प्राण दिखाई दिये। अवश्य ही, तू एक दिन बड़ा संत बनेगा।''

आगे चलकर यह 'नामू' नामदेव के नाम से महाराष्ट्र का प्रसिद्ध संत हुआ।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

वास्तव में दया, धर्म का भाव रखना और दूसरे के दुःख को महसूस करना संतों का स्वभाव होता है। आज अपने पर्यावरण को बचाने के लिए नामदेव जैसे संतों की आवश्यकता है, जिनके मन में न केवल जीवों के प्रति ही दया की भावना हो, बल्कि पेड़, पौधों के लिए भी अपनेपन का भाव हो। आज के स्वार्थी मानव ने प्रकृति के प्रति जिस प्रकार का व्यवहार किया है, वह निन्दनीय है क्योंकि मानव के लोभ ने धरती के अस्तित्व को ही संकट में डाल दिया है।

(i) नामू को माँ ने क्या आदेश दिया था? माँ के आदेश का पालन करते समय उसने क्या विचार किया? [2]

(ii) घर आकर नामू ने क्या किया और क्यों? [2]

(iii) माँ क्या देखकर चिन्तित हुई? उसका हृदय क्यों भर आया? [2]

(iv) संत के स्वभाव की क्या विशेषता होती है? आगे चलकर नामू किस रूप में प्रसिद्ध हुआ? [2]

(v) आपको इस गद्यांश से क्या शिक्षा मिली? पेड़-पौधों की सुरक्षा क्यों आवश्यक है? [2]

परीक्षकों की टिप्पणियाँ-

(i) अधिकांश विद्यार्थी द्वितीय भाग का उत्तर सही नहीं दे पाए। बहुत कम विद्यार्थी प्रश्न के द्वितीय भाग को समझने में समर्थ रहे है। प्रश्न के द्वितीय भाग का स्पष्ट उत्तर कुछ छात्रों ने न लिखकर गद्यांश की भाषा में ही पूरा उत्तर उतार दिया है।

(ii) कुछ विद्यार्थी प्रश्न के प्रथम भाग को स्पष्ट नहीं कर पाए हैं तथा कुछ ने द्वितीय भाग का उत्तर नहीं दिया है। कुछ छात्रों ने प्रश्न के दूसरे भाग में लिखा कि क्योंकि माँ ने छाल मँगवाई थी। कुछ विद्यार्थियों के लिए प्रश्न पूर्ण रूप से स्पष्ट था। उनके उत्तर उचित प्रकार दिए हैं।

(iii) अधिकांश छात्रों ने सटीक उत्तर लिखा। कुछ छात्रों ने प्रश्न के दोनों भागों को मिलाकर एक ही बात लिखी। कुछ छात्रों ने प्रश्न में केवल चिन्तित शब्द देखकर अवतरण का वह भाग लिख दिया जिसमें माँ ने चिन्ता शब्द का प्रयोग किया है। यह नहीं देखा कि प्रश्न के उत्तर था भाव आया या नहीं। कुछ विद्यार्थी माँ की चिन्ता का स्पष्ट कर पाने में असमर्थ रहे।

(iv) स्पष्ट रूप से लिखा होने के पश्चात् भी कुछ विद्यार्थी संतों के स्वभाव को स्पष्ट नहीं कर पाए। कुछ छात्रों ने प्रश्न के दूसरे भाग के उत्तर में संत जी का नाम नहीं लिखा। कुछ विद्यार्थी के लिए प्रश्न स्पष्ट था उत्तर उचित प्रकार से दिया गया।

अध्यापकों के लिए सुझाव-

- विद्यार्थियों को कम से कम दो या तीन बार अपठित गद्यांश को ध्यान से पढ़ने का निर्देश दिया जाना चाहिए। उसे समझकर उत्तर तैयार करने की दिशा में प्रेरित करना चाहिए।
- अपठित गद्यांश का अधिकाधिक व नियमित अभ्यास कराया जाना चाहिए। छात्रों को अपनी भाषा में उत्तर लिखने का अभ्यास एवं भाषा की शुद्धियों पर ध्यान देने की आवश्यकता समझना चाहिए।
- उत्तर लिखते समय प्रश्न के दोनों भागों का उत्तर अलग-अलग अनुच्छेद में लिखा जाना चाहिए व मुख्य बिन्दुओं के समावेश की आवश्यकता भी समझाई जानी चाहिए।
- विद्यार्थियों को अभ्यास करायें कि उत्तर लिखने के बाद वे सुनिश्चित कर लें कि उन्होनें प्रश्न के सभी भागों का उत्तर दे दिया है।
- कक्षा में कहानियाँ सुनाकर उनसे मिलने वाली शिक्षा पर विचार विमर्श भी करना चाहिए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(v) अधिकांश विद्यार्थी गद्यांश की शिक्षा में केवल पेड़ पौधे की सुरक्षा पर ही वर्णन करते रहे। कुछ छात्रों ने द्वितीय भाग का उत्तर नहीं लिखा तथा प्रथम भाग के लिए अपठित का अन्तिम अनुच्छेद उतार दिया। प्रथम अंश क्या शिक्षा मिली? में कुछ विद्यार्थियों को स्पष्ट करने में परेशानी हुई।

अध्यापकों के लिए सुझाव–

- ‘श्रुत–भाव–ग्रहण’ आदि के माध्यम से अर्थ ग्रहण की प्रक्रिया को सरल व प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- छात्रों की समझ के विकास के लिए विवेचनात्मक, विश्लेषणात्मक व तर्कपरक प्रश्नों का अभ्यास कराया जाना चाहिए।
- भाषा एवं वत्तनी सुधारने की दिशा में अधिक से अधिक छात्रों से अभ्यास करवाया जाना चाहिए। भाषा ज्ञान बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयत्न किया जाना चाहिए।
- विचारात्मक प्रश्नों का निरंतर अभ्यास एवं नए–नए शब्दों का प्रयोग भी भाषा ज्ञान की वृद्धि के लिए सिखाया जाना चाहिए।

अंक योजना–

प्रश्न 3

(i) नामू को उसकी माँ ने आदेश दिया था कि कुल्हाड़ी लेकर पलाश के पेड़ की छाल उतार लाओं। माँ के आदेश का पालन करते समय नामू ने यह विचार किया कि जब वह कुल्हाड़ी से पेड़ पर प्रहार करता था, तो एक आवाज पेड़ से निकलती थी, कहीं वह आवाज पेड़ की कराह तो नहीं थी? जब वह कुल्हाड़ी से पेड़ पर प्रहार करता होगा, तो पेड़ को पीड़ा भी तो होती होगी।

(ii) घर आकर नामू ने पलाश की छाल माँ को सौंप दी और स्वंय घर से दूर कुल्हाड़ी लेकर जा बैठा। वहाँ बैठकर उसने अपना पैर रगड़ना शुरू किया। रगड़ के साथ पाँव में पीड़ा भी होती थी, खून बहता था और नामू के मुँह से हल्की–हल्की चीखने की आवाज भी निकलती थी। यह सब उसने पेड़ की पीड़ा का अनुभव करने के लिए किया था।

(iii) नामू जब घर लौटा तो उसके चेहरे पर पीड़ा की स्पष्ट रेखाएँ थी, मगर वह चुप था। माँ यह देख कर कुछ समझी नहीं। अचानक जब माँ यह देखकर कुछ समझी नहीं। अचानक जब माँ की दृष्टि उसके कपड़ों पर पड़ी जो खून से लाल हो चुके थे। यह देख माँ चिंतित हुई। नामू के पराए दुःख से दुःखी होकर उस दुःख का अनुभव करना वह भी एक पेड़ के लिए की बात जान कर माँ का हृदय भर आया था।

(iv) दया, धर्म का भाव रखना और दूसरे के दुःख को महसूस करना संतो के स्वभाव की विशेषता होती है। आगे चलकर नामू संत नामदेव के नाम से महाराष्ट्र का प्रसिद्ध संत हुआ।

(v) इस गद्यांश से हमे यह शिक्षा मिलती है कि आज अपने पर्यावरण को बचाने के लिए नामदेव जैसे संतो की आवश्यकता है, जिनके मन में न केवल जीवों के प्रति ही दया की भावना हो, बल्कि पेड़–पौधों के लिए भी अपनेपन का भाव हो। पेड़–पौधों की सुरक्षा इसलिए आवश्यक है क्योंकि मनुष्य की लालच ने आज धरती के अस्तित्व को ही संकट में डाल दिया है।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

Question 4

Answer the following according to the instructions given:-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

(i) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए :-
नीति, साहित्य। [1]

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :-
मार्ग, माता। [1]

(iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :-
निर्दोष, शांत, पतन, अंत। [1]

(iv) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए :-
आँखों पर पर्दा पड़ना, घुटने टेकना। [1]

(v) भाववाचक संज्ञा बनाइए :-
ईश्वर, उत्तम। [1]

(vi) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :-

(a) असफल हो जाने पर, उसे भारी दुःख हुआ।
(वाक्य शुद्ध कीजिए) [1]

(b) परिश्रमी व्यक्ति विपत्तियों से नहीं घबराता है।
(वचन बदलिए) [1]

(c) <u>जीवन-भर</u> मैं इसी आचरण का पालन करता आया हूँ।
(रेखांकित शब्दों के लिए एक शब्द लिख कर वाक्य को पुनः लिखिए) [1]

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

परीक्षकों की टिप्पणियाँ–

(i) कुछ विद्यार्थी विशेषण शब्द का अर्थ ही नहीं समझ पाये। छात्रों ने वर्तनी संबन्धी अशुद्धियाँ बहुत की। कुछ बच्चों को विशेषण तो आते थे परंतु वर्तनी की अशुद्धियों के कारण अंक प्राप्त नहीं कर पाए। कुछ ने नीति शब्द का नीतिज्ञ भी लिखा जो कि संज्ञा है। साहित्यिक शब्द में अधिकतर विद्यार्थियों वर्तनी सम्बंधी त्रुटि की।

(ii) अधिकांश विद्यार्थियों ने पर्यायवाची शब्द ठीक लिखे। कुछ छात्रों ने एक शब्द के स्थान पर दोनों शब्दों के एक–एक पर्यायवाची लिख दिये। केवल माँ शब्द के लिए देशज शब्दों को प्रयोग किया है। वर्तनी सम्बंधी त्रुटियाँ अधिक पाई गई।

(iii) इस प्रश्न मे सभी शब्द अत्यन्त सरल थे अतः अधिकांश छात्रों ने सही विलोम शब्द लिखे। कुछ छात्रों ने शांत का विलोम उग्र लिखा। पतन के लिए उन्नति व उत्कर्ष भी लिखा। पतन शब्द के विपरीतार्थक में भ्रमित रहे।

(iv) अधिकांश विद्यार्थी मुहावरे के अर्थ को लेकर भ्रमित रहे, इसीलिए वाक्य संरचना में अशुद्धियाँ देखी गई। वाक्य रचना में वर्तनी की अशुद्धियाँ तथा व्याकरण सम्बंधी त्रुटियाँ पाई गई।

(v) अधिकतर छात्र भाववाचक संज्ञा के ज्ञान का अभाव होने के कारण उचित शब्द नहीं लिख पाए। कुछ छात्रों ने भाववाचक संज्ञा बनाने के स्थान पर विशेषण शब्दों का प्रयोग किया है। बहुत कम विद्यार्थियों ने दोनों भाववाचक संज्ञाए सही लिखी है। ईश्वर का ऐश्वर्य के स्थान पर एश्वर्य लिख दिया है।

(vi) (a) अधिकतर विद्यार्थियों ने वाक्य परिवर्त्तन उचित रीति से नहीं किया। विद्यार्थियों ने 'भारी' शब्द के स्थान पर परिवर्तन करने के स्थान पर वाक्य के प्रथम भाग में किया 'सफल न होने पर'। कुछ छात्रों ने भारी के स्थान पर समुचित शब्द का प्रयोग नहीं किया। कुछ छात्रों ने 'असफलता', 'दुःखी' शब्द का प्रयोग कियज्ञं

अध्यापकों के लिए सुझाव–

- विद्यार्थियों को विशेषण शब्दों का प्रचुर अभ्यास करवाया जाना चाहिए। इसका निरंतर लिखित एवं मौखिक अभ्यास करवाना चाहिए।
- विशेष्ण बनाना सिखाते समय सही वर्त्तनी पर भी विशेष बल दिया जाना चाहिए।
- पर्यायवाची शब्दों के ज्ञान के लिए पाठ पढ़ाते समय भी समानार्थक शब्दों की जानकारी देनी चाहिए।
- विद्यार्थियों को अधिक से अधिक विलोम शब्द याद करवाए जाएँ तथा इनका मौखिक एवं लिखित अभ्यास भी करवाया जाए।
- कक्षा में विलोम शब्द बताते समय इस बात पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दें कि जिस शब्द के लिए जो विलोम निश्चित है वही विलोम शब्द लिखा जाए।
- मुहावरों के प्रयोग का अधिक से अधिक अभ्यास करवाया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को यह भी बताया जाये कि इसके प्रयोग से वाक्य सौन्दर्य में वृद्धि होती है।
- वाक्य सरंचना के समय शब्दों के अनुरूप प्रयोग का अभ्यास कराना चाहिए। वर्त्तनी की अशुद्धियों की ओर भी छात्रों का ध्यान दिलाना चाहिए।
- भाववाचक संज्ञा का विशेष अध्ययन करवाना चाहिए। मात्र अध्ययन ही नहीं बल्कि उनका लिखित अभ्यास आवश्यक है।
- छात्रों के भाषा ज्ञान में वृद्धि के लिए लगातार प्रयत्न किया जाना चाहिए।
- प्रश्न को एकाग्रचित से पढ़ने का निर्देश दिया जाना चाहिए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(b) (.) अनुस्वार न लगाने के कारण अधिकतर छात्रों को अंक नही मिले। कुछ छात्रों ने विपत्ति की वर्तनी अशुद्ध की।

(c) अधिकांश छात्र ' जीवन भर' के लिए सही एक शब्द नहीं लिख पाए। जीवन भर के लिए एक शब्द के लिए जीवन भर के लिए एक शब्द 'आजीवन' लिखने में अधिकतर छात्र भ्रमित रहे। वर्तनी तथा व्याकरण की अशुद्धियाँ पायी गई हैं।

- कक्षा में अभ्यास कराते समय वर्त्तनी तथा भाषा संबन्धी सुधार पर विशेष बल दिया जाना चाहिए।
- निर्देशानुसार वाक्य परिवर्त्तन में निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ने का बार-बार निर्देश दिया जाना चाहिए।
- एकवचन, बहुवचन भी याद करवाये जायें। वाक्य परिवर्त्तन करवाते समय लिंग, वचन और काल की पूर्ण जानकारी देना अत्यन्त आवश्यक है।
- अनुस्वार का प्रयोग उचित स्थान पर आवश्यक है। अतः विद्यार्थियों को ऐसा निर्देश दिया जाना चाहिए ताकि वे पूर्ण रूप से इसका ध्यान रखें।
- वाक्य में प्रयुक्त शब्दों के सही विलोम शब्द के प्रयोग का स्पष्ट निर्देश दें।
- व्याकरण का अधिकाधिक, नियमित व लिखित अभ्यास करवाएँ।

<u>अंक योजना-</u>

प्रश्न 4

(i) विशेषण बनाइए-

नीति-नैतिक ।

साहित्य- साहित्यिक।

(ii) दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

मार्ग- सड़क, पथ, रास्ता।

माता- जननी, माँ, अम्बा।

(iii) विपरीतार्थक शब्द लिखिए-

निर्दोष-दोषी

शांत - अशांत

पतन - उत्थान

अंत - प्रारम्भ

(iv) मुहावरे-

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

आँखों पर पर्दा पड़ना – (सच्चाई दिखाई न पड़ना) अत्यधिक प्रेम ने मोहन के माता–पिता की आँखों पर पर्दा डाल दिया है, जिसके कारण उसकी गलतियाँ उन्हें नजर नहीं आती हैं। घुटने टेकना – (हार स्वीकार कर लेना) सुरक्षा सेनाओं की कड़ी कार्यवाही को देखकर आतंकवादियों ने घुटने टेक दिए। (v) भाववाचक संज्ञा– ईश्वर – ईश्वरीय /ऐश्वर्य उत्तम – उत्तमता (vi) (a) असफल हो जाने पर उसे बहुत दुःख हुआ। (b) परिश्रमी व्यक्ति विपत्तियों से नहीं घबराते हैं। (c) आजीवन मैं इसी आचरण का पालन करता आया हूँ।

गद्य संकलन

Question 5

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:-

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:–

श्रीमती जी कुछ रूआँसें स्वर में बोली–''इसी विश्वास ने तो सब कुछ चौपट कर रखा है। ऐसे ही विश्वास पर सब बैठ जाएँ, तो काम कैसे चले? सब विश्वास पर ही बैठे रहे, तो आदमी काहे को किसी बात के लिए चेष्टा करे? '' –ताई–

लेखक–विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'

(i) श्रीमती जी कौन है? उनका परिचय दीजिए। [2]

(ii) उपर्युक्त वाक्य किससे कहा गया है तथा उस व्यक्ति का विश्वास क्या है?

(iii) वक्ता के दुःख का कारण क्या? अपने इस दुःख का कारण वह किसे मानती है तथा क्यों? [3]

(iv) प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

परीक्षकों की टिप्पणियाँ

(i) अधिकांश विद्यार्थियों ने इस प्रश्न के प्रथम भाग का उत्तर तो ठीक लिखा पर कुछ विद्यार्थियों ने ताई या रामेश्वरी के स्थान पर रामजीदास की पत्नी लिखा है।

(ii) प्रश्न का प्रथम भाग सही था। कुछ विद्यार्थी प्रश्न का द्वितीय भाग उस व्यक्ति के विश्वास में भ्रमित रहे।

(iii) अधिकांश विद्यार्थियों ने प्रश्न के प्रथम और द्वितीय भाग के सटीक उत्तर दिये। कुछ छात्र प्रश्न के तृतीय भाग में दुःख का कारण बताने में भ्रमित रहे।

(iv) कुछ विद्यार्थी उद्देश्य में एक ही बात की पुनरावृत्ति करते रहे। कुछ विद्यार्थियों ने पूरी कहानी लिख दी। परंतु उद्देश्य नहीं बताया।

अध्यापकों के लिए सुझाव-

- ऐसे पाठों को पढ़ाते समय विद्यार्थियों को यह बात स्पष्ट रूप से बतानी चाहिए कि कहानी पढ़ने के बाद मुख्य बिन्दु को लिखना आवश्यक है ही परंतु उत्तर पूर्ण तभी होता है जबकि सहायक भाग भी लिखे जाएँ।
- विद्यार्थियों को निर्देश दिया जाना चाहिए कि वे प्रत्येक प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़े और सोच विचार कर उत्तर दें।
- प्रश्न के सभी भागों का अलग अलग उत्तर लिखना सिखाया जाना चाहिए।
- प्रश्नानुसार उत्तर लिखने का नियमित अभ्यास करवाना चाहिए।
- पाठ में आए मुहावरों व कठिन शब्दों का स्पष्ट अर्थ बताना चाहिए ताकि विद्यार्थी उत्तर लिखते समय उलझनों से बच सकें।
- छोटे छोटे प्रश्न पूछकर उनसे मौखिक उत्तर का अभ्यास कराना चाहिए जिससे कई संदर्भ आसानी से याद हो सकें।
- विचारात्मक प्रश्नों का अधिकाधिक अभ्यास करवाना चाहिए।
- पाठ का उद्देश्य अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। अतः उसकी ओर विद्यार्थियों का ध्यान दिलाना विशेष आवश्यक है।

अंक योजना-

प्रश्न 5

(i) श्रीमती जी रामेश्वरी है। वह बाबू रामजी दास की पत्नी हे। वह अपने पति रामजी दास के अपने देवर के बच्चों के प्रति स्नहे एवं वात्सल्य को देखकर हमेशा चिढ़ी सी रहती थी।

(ii) उपर्युक्त वाक्य रामेश्वरी द्वारा अपने पति रामजीदास से कहा गया है। रामजीदास का विश्वास था कि पूजा-पाठ-व्रत सब ढकोसला है। जो वस्तु भाग्य में नहीं, वह पूजा-पाठ से नहीं प्राप्त हो सकती।

(iii) वक्ता (रामेश्वरी) के दुःख का ... ोना था, अपने दुःख का कारण वह

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(iv) प्रस्तुत पाठ में 'कौशिश' जी ने समाज के व्याप्त अनेक छोटी-मोटी समस्याओं को हमारे सम्मुख उजागर किया है। कहानी में संतानहीन नारियों को उपदेश देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें हर समय संतान के अभाव से ईर्ष्या भाव से औरों की संतान को देखकर जलते कुढ़ते नहीं रहना चाहिए, दूसरों के बच्चों को अधिक से अधिक प्यार करना चाहिए। बच्चे तो प्यार के भूखे होते है। आप उन्हें जितना प्यार देंगे उतना ही अधिक आप उनसे प्रभावित होगें। इस तरह आपको संतान का अभाव नहीं होगा और दूसरों की संतान भी अपनी ही लगेगी।

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

''हमारे विद्वान पाठकों में से कोई होता तो उन मूर्खों को समझाता-''यह संसार क्षण-भंगुर है। इसमें दुःख क्या और सुख क्या है**?** जो जिसमें बनता है, वह उसी में लय हो जाता है-इसमें शोक उद्वेग की क्या बात है**?**''

– खेल–
लेखक – जैनेन्द्र

(i) पानी में कौन खेल रहा था? वह जब पानी का खेल छोड़कर मुड़ा, तो उसने क्या देखा? [2]

(ii) 'सुरबाला कौन है ? उसके दुःख का कारण क्या था? [2]

(iii) संसार को 'क्षण-भंगुर' क्यों कहा जाता है ? सुरबाला क्या देखकर मौन हो गयी थी? उसे किस चीज ने पिघला दिया था? [3]

(iv) सिद्ध कीजिए कि 'खेल' कहानी में बालपन की सरलता का चित्रण किया गया है। इस कहानाी के माध्यम से लेखक ने किस सत्य को उजागर किया है? [3]

परीक्षकों की टिप्पणियाँ-

(i) अधिकांश छात्रों द्वारा सही उत्तर दिया गया। प्रश्न का प्रभाव भाग सही लिखा था, द्वितीय भाग में भाड़ शब्द को लेकर भ्रमित हुए। भाड़ के स्थान पर महल, कुटी, घर आदि लिख दिया।

(ii) इस प्रश्न का उत्तर प्रायः सभी विद्यार्थियों ने सही लिखा। कुछ विद्यार्थी प्रश्न के द्वितीय भाग को स्पष्ट करने में भ्रमित रहे। प्रश्न के द्वितीय भाग के भाड़ के स्थान पर महल, कुटी आदि लिखा है।

अध्यापकों के लिए सुझाव-

- विशेष पाठों की विशेष व्याख्या की आवश्यकता को समझते हुए सभी छोटी बड़ी बातों पर विशेष ध्यान दें। पाठ का निबंध के रूप में होने के कारण विद्यार्थियों में पाठ के प्रति रूचि जाग्रत करनी चाहिए।
- पाठ से सम्बन्धित मुख्य बिन्दुओं को कक्षा में बार-बार दोहराया जाना चाहिए ताकि विद्यार्थियों को याद हो सके।
- पाठ से जुड़ी हुई कहानियों की विस्तार से जानकारी देनी चाहिए तथा समय-समय पर उसकी जानकारी विद्यार्थियों से लेनी चाहिए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(iii) कुछ विद्यार्थी क्षण-भंगुर शब्द का अर्थ स्पष्ट करने में असमर्थ रहे तथा कुछ छात्र मौन होना पिघल जाना शब्द को स्पष्ट नहीं कर पाए। कुछ विद्यार्थियों ने क्षण-भंगुर में वस्तु के नष्ट होने के स्थान पर सुख-दुःख के विषय में लिखा। जीवन में सुख-दुःख आते है। इसलिए संसार क्षण-भंगुर है।

(iv) कुछ छात्रों केवल बालपन की सरलता का ही वर्णन कर पाए तो कुछ विद्यार्थी पाठ मे नीहित सत्य को अधिक स्पष्ट नहीं कर पाए। कुछ छात्रो ने बालपन की सरलता का चित्रण करने की अपेक्षा कहानी का उद्‌देश्य लिख दिया। मुख्य-बिंदु अपेक्षाकृत कम लिखे गए।

अध्यापकों के लिए सुझाव-

- तुलनात्मक प्रश्नों का अभ्यास कक्षा में करवाना चाहिए ताकि विद्यार्थी इस शैली को सीख सकें और स्पष्ट लिख सकें।
- विद्यार्थियों से निबंध रूपी पाठों को बार-बार पढ़ने के लिए कहना चाहिए तथा उसे समझने पर बल देना चाहिए।
- पाठ में आनेवाले विशिष्ट शब्दों के अर्थ की जानकारी विद्यार्थियों को देनी चाहिए।
- कक्षा में बार-बार यह बात बतानी चाहिए कि प्रश्न के लिए जितने अंक निर्धारित हों उसी के अनुरूप उत्तर का विस्तार किया जाना चाहिए।

अंक योजना-

प्रश्न 6

(i) पानी में मनोहर खेल रहा था, वह सुरबाला का मित्र है जोकि उससे दो साल बड़ा है। वह जिद्‌दी एवं दंगई स्वभाव का है।

वह जब पानी का खेल छोड़कर मुड़ा तो उसने देखा कि सुरबाला अपने द्वारा बनाये गये रेत के सुन्दर भाड़ को एकटक देख रही थी।

(ii) सुरबाला सात वर्ष की बालिका है, वह मनोहर की मित्र है। उसका बाल मन कोमल और सच्ची भावनाओं से भरा हुआ है। सुरबाला गंगा के तट पर रेत का भाड़ बनाती है, भाड़ बनाते समय उसके मन में अनेक कल्पनाएँ थीं। पर जब मनोहर द्वारा भाड़ तोड़ दिया जाता है तो उसकी सारी कल्पाएँ दुःख में बदल जाती है।

(iii) संसार को क्षण-भंगुर इसलिए कहा जाता है क्योंकि जो एक पल में बनता है वह दूसरे क्षण में नष्ट हो जाता है। जो इसमें बनता है, वह इसी में मिल जाता है। इसलिए इस बात पर शोक करने की बात नहीं है। सुरबाला अपने टूटे हुए भाड़ को देखकर रूठ गई। इसलिए वह मौन हो गयी।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

मनोहर की आवाज में कम्पन्न में रोने के स्वर को सुरबाला के अंतर्मन ने पहचान लिया। अतः वह जल्द ही पिघल गयी और उसका क्रोध शांत हो गया। मनोहर ने जैसे ही सुरबाला द्वारा बनाये गये भाड़ को तोड़ने के लिए पछतावा प्रकट किया, सुरबाला का क्रोध प्रेम में बदल गया।

(iv) 'खेल' एक मनोवैज्ञानिक कहानी है। इसमें लेखक ने सुरबाला और मनोहर के माध्यम से बालपन की सरलता को स्पष्ट करते हुए बताया है कि किस प्रकार बच्चों का मन कोमल स्वभाव का होता है। उनका क्रोध एक क्षण का होता है। वे थोड़ी देर के बाद सबकुछ भूलकर पहले की तरह ही खेलने लगते है।

इस कहानी में भी इसी प्रकार जब मनोहर सुरबाला के द्वारा बनाये हुए भाड़ को तोड़ देता है और सुरबाला रूठ जाती है। उसे मनाने के लिए यह सुरबाला के कहने पर वैसा ही भाड़ बनाता है और फिर सुरबाला मनोहर के बनाये हुए भाड़ को लात मारकर तोड़ देती है। फिर दोनों हँसने लगते है और मिलकर खेलने लगतें है।

लेखक ने इस कहानी के माध्यम से लोगों को जीवन के सत्य से भी उजागर करवाया है कि यह संसार नश्वर है। आज नही तो कल यह मिट्टी में मिलकर नष्ट हो जायेगा। इसके लिए शोक करना व्यर्थ है।

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"मतलब साफ है, एकदम साफ कि जहाँ एक युवक ने अपने काम से अपने देश का सिर ऊँचा किया था, वहीं एक युवक ने अपने काम से अपने देश के मस्तक पर कलंक का ऐसा टीका लगाया, जो जाने कितने वर्षों तक संसार की आँखों में उसे लांछित करता रहा''

– मैं और मेरा देश–

लेखक – कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(i) देश का सिर ऊँचा करने वाला युवक किस देश का नागरिक था ? उसने किस प्रकार अपने देश का सिर ऊँचा किया? [2]

(ii) देश के मस्तक का कलंक का टीका लगाने वाला युवक कौन था? उसने क्या किया था? [2]

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(iii) उक्त दोनों घटनाओं से क्या स्पष्ट होता है? आप अपने देश का गौरव बढ़ाने के लिए क्या-क्या कर सकते है? [3]

(iv) 'महत्व किसी कार्य की विशालता में नहीं होता, उस कार्य को करने की भावना में होता है।'-प्रस्तुत पाठ के आधार पर इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए। [3]

परीक्षकों की टिप्पणियाँ-

(i) अधिकांश विद्यार्थियों ने इस प्रश्न को भली प्रकार से किया है। कुछ छात्रों ने 'जापान' के स्थान पर भारत लिखा। घटना- पुस्तकालय वाली लिखी।

(ii) पाठ में देश का नाम न दिया होने के कारण विद्यार्थी उत्तर देने में भ्रमित रहे पर कुछ विद्यार्थी ने दूसरे देश का विद्यार्थी बताकर उत्तर स्पष्ट किया।

कुछ छात्रों ने प्रश्न के द्वितीय भाग में कहानी ठीक लिखी परंतु प्रथम भाग में विदेशी युवक के स्थान पर कुछ बच्चों ने भारतीय लिखा जो कि गलत था।

(iii) छात्रों को प्रश्न स्पष्ट था लेकिन अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण का अभाव देखा गया। कुछ बच्चों ने ऊपर से अवतरण ही उतार दिया क्योंकि उसमें भाव आ रहा था। अपने शब्दों में प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। द्वितीय भाग का उत्तर सही लिखा है। कुछ छात्रों ने गौरव बढ़ाने वाले कार्य पाठ से बाहर के लिखे। मुख्य बिन्दुओं का अभाव था।

(iv) अधिकांश बच्चों ने या तो भाव स्पष्ट किया या फिर उदाहरण ही दिया दोनों बातें लिखने का कार्य कुछ ही बच्चों ने किया। कुछ छात्रों ने उक्ति का अर्थ स्पष्ट नहीं किया। कुछ छात्रों ने प्रसंग पाठ 'श्रम की प्रतिष्ठा' से जोड़ दिया। श्रीकृष्णजी वाला। निम्नस्तर के छात्रों ने इस प्रश्न के उत्तर में जापान में घटित दोनों बातों का वर्णन किया।

अध्यापकों के लिए सुझाव-

- अध्यापकों को पाठ में आए सभी कठिन और सरल शब्दों का अर्थ कक्षा में बताना चाहिए जिससे विशेष सन्दर्भ में विद्यार्थी शब्दों का प्रयोग सही तरह से कर सकें।
- उत्तर में मूल बिन्दुओं की महत्ता अध्यापकों को कक्षा में स्पष्ट कर देना चाहिए।
- ऐसे रोचक तथा सरल पाठों की पुनरावृति कक्षा में करवानी चाहिए जिससे छोटी-छोटी घटनाएँ विद्यार्थियों को सरलता से याद रह सके।
- समय-समय पर मौखिक तथा लिखित परीक्षा लेकर विद्यार्थियों को चरित्रों के नाम तथा उनकी चारित्रिक विशेषताएँ याद करवानी चाहिए।

अध्यापकों के लिए सुझाव-

- शिक्षक को यह बात विद्यार्थियों को स्पष्ट रूप से समझानी चाहिए कि प्रश्न जितने भागों में बँटा है उत्तर वैसे ही अलग-अलग भागों में लिखा जाए।
- वर्त्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों को भी कक्षा में नियमित अभ्यास के द्वारा दूर करने का प्रयास करना चाहिए।
- कक्षा में रोचक क्रियाएँ करवाकर व अभिव्यक्ति दिलाकर विद्यार्थियों को पाठ के भाव का अध्ययन कराना चाहिए।
- संवादों के आधार पर प्रश्न पूछकर भी अभ्यास कराना चाहिए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

अंक योजना–

प्रश्न 7

(i) देश का सिर ऊँचा करने वाला युवक जापान देश का नागरिक था। उस युवक ने जब स्वामी रामतीर्थ के मुँह से यह सुना कि ''जापान में शायद अच्छे फल नहीं मिलते''– तो वह भागकर ताजे फलों की एक टोकरी ले आया। फल लेकर स्वामी जी ने दाम चुकाना चाहा तो युवक ने मना कर दिया। जब बहुत आग्रह किया गया तो जापानी युवक बोला कि यदि दाम चुकाना ही है तो वह यह कि स्वामी जी अपने देश में जाकर किसी से यह न कहें कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते। अतः उसने अपने देश को हीन होने से बचाकर देश का सिर ऊँचा किया।

(ii) कलंक का टीका लगाने वाला युवक विदेशी था जो जापान में शिक्षा लेने आया था। एक दिन उसने सरकारी पुस्तकालय से प्राप्त पुस्तक में से कुछ दुर्लभ चित्र निकालकर पुस्तक लौटा दी। किसी जापानी विद्यार्थी ने यह सब देखा तो उसकी शिकायत पुस्तकालय में कर दी। पुलिस ने तलाशी लेकर वे चित्र विद्यार्थी के कमरे से बरामद कर लिये।

(iii) अपने देश की गौरव को बढ़ाने के लिए हमे ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे हमारे देश की स्वतंत्रता और सम्मान को ठेस पहुँचे। सार्वजनिक स्थलों पर कभी भी हमारे देश को हीन तथा अन्य देशों को श्रेष्ठ नहीं बताना चाहिए। अपने घर, गली, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं करना चाहिए। जब कभी चुनाव हो तो हमें मत योग्य व्यक्ति को देना चाहिए। कभी भी किसी गलत प्रलोभन में न आकर किसी गलत व्यक्ति को अपना मत नही देना चाहिए।

(iv) किसी भी कार्य का महत्व उस कार्य की विशालता से नहीं, अपितु उस कार्य का महत्व उस कार्य को करने की भावना में है। भावना के अभाव में बड़े से बड़े काम हीन तथा भावना के साथ किया गया छोटे से छोटा काम भी महान बन जाता है।

चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य

लेखक–प्रकाश नगायच

Question 8

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:–

"उसे विश्वास हो गया था कि यदि रामगुप्त को मग्ध के राज–सिंहासन से न हटाया गया तो गुप्त साम्राज्य के साथ–साथ गुप्त वंश का गौरव, मान–मर्यादा सभी कुछ नष्ट हो जाएँगे।"

(i) यहाँ 'उसे' शब्द का सम्बन्ध किस व्यक्ति के लिए किया गया है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(ii) रामगुप्त को मगध के राज–सिंहासन से हटाये जाने की आवश्यकता क्यों अनुभव की जा रही थी? [2]

(iii) रामगुप्त का क्या निर्णय था? यह व्यक्ति इस समय रामगुप्त का विरोध क्यों नहीं कर पा रहा था? [3]

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(iv) मगध साम्राज्य की तत्कालीन परिस्थिति कैसी थी? सिद्ध कीजिए कि कायर व अयोग्य भाासक दे ा के मान–सम्मान व गौरव को सुरक्षित रखने में असमर्थ होता है। [3]

परीक्षकों की टिप्पणियाँ–

(i) प्रश्न पूर्णतया स्पष्ट था अधिकांश छात्रों ने समुचित उत्तर दिया। कुछ बच्चें नाम से भ्रमित रहे इसलिए परिचय में भी गलत वर्णन किया गया।

(ii) अधिकांश छात्रों ने समुचित उत्तर दिया। कुछ छात्र मुख्य बिन्दु लिखने में असफल रहे। रामगुप्त को सिंहासन से हटाये जाने की आवश्यकता का स्पष्ट रूप से वर्णन कर पाने में कुछ बच्चें असमर्थ रहे।

(iii) कुछ विद्यार्थियों ने रामगुप्त का निर्णय स्पष्ट नहीं किया तथा विरोध का कारण भी स्पष्ट नहीं कर पाए। कुछ छात्र ने इस प्रश्न के उत्तर में मुख्य बिन्दु कम लिखे है। कुछ विद्यार्थियों द्वारा इस प्रश्न का समुचित उत्तर दिया गया। कुछ छात्रों ने इस उत्तर के शर्तें स्पष्ट नहीं की।

(iv) अधिकांश छात्रों ने प्रश्न का प्रथम भाग सही लिखा तो द्वितीय भाग का साधारण उत्तर दिया। जबकि रामगुप्त का प्रसंग देकर उत्तर लिखना चाहिए था। कायर तथा अयोग्य शासक की बात को कुछ बच्चें भली प्रकार स्पष्ट नहीं कर पाए। कुछ विद्यार्थियों द्वारा इस प्रश्न का समुचित उत्तर नहीं दिया गया।

अध्यापकों के लिए सुझाव–

- पूर्ण रूप से उपन्यास के पठन के साथ–साथ पुनरावृत्ति भी की जानी चाहिए। बार–बार आवृति होने से घटनाक्रम छात्रों को भ्रमित नहीं करते और सिलसिलेवार याद हो जाते हैं।
- वर्त्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों के लिए नियमित अभ्यास करवाना चाहिए।
- उपन्यास की पृष्ठभूमि ऐतिहासिक है अतः छात्रों को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में कुछ सन्दर्भ बताया जाना चाहिए।
- राजनैतिक परिस्थितियों से भी छात्रों को अवगत कराना चाहिए।
- कठिन शब्दों के अर्थ कक्षा में बताया जाना चाहिए जिससे उनके अर्थ समझते समय छात्र उलझन में न पड़ें।
- उपन्यास में प्रयुक्त बिन्दुओं को रेखांकित कराने व उसे समझाने पर अधिक बल दें।
- विचारात्मक प्रश्नों का अभ्यास कक्षा में करवायें।

अंक योजना–

प्रश्न 8

(i) उपर्युक्त सन्दर्भ में 'उसे' सर्वनाम का प्रयोग चन्द्रगुप्त के लिए किया गया है। वह मगध–सम्राट समुद्रगुप्त का छोटा पुत्र था। उसकी वीरता, साहस व दूरदर्शिता का अनुभव करके ही मगध सम्राट ने बड़े पुत्र रामगुप्त की बजाए छोटे पुत्र चन्द्रगुप्त को युवराज घोषित किया था। सम्राट समुद्रगुप्त की मृत्यु के बाद चन्द्रगुप्त की अनुपस्थिति में रामगुप्त स्वंय राज–सिंहासन पर अधिकार पाने में सफल हो गया था। रामगुप्त तथा शिखर स्वामी के कर्मो को ध्यान में रखते हुए और उनके वर्तमान विचारों को सुनते हुए चन्द्रगुप्त का दुःख व चिन्ता बढ़ने लगी थी।

(ii) रामगुप्त को मगध के सिंहासन से हटाया जाना अति आवश्यक हो गया था। वह एक कायर व

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

अन्यायी राजा था। उसे शिक्षा, ज्ञान-विज्ञान व कलाओं से कोई लगाव न था। उसके शिखर स्वामी जैसे सलाहकार मंत्री व सेनापति भी चापलूसी में विश्वास रखते थे और अपना स्वार्थ सिद्ध करने में लगे हुए थे। वह न तो अपने साम्राज्य की रक्षा-सुरक्षा कर सकता है और न ही प्रजा की नारियों की मान-मर्यादा को सम्मान के योग्य समक्षता है। उसमें संघर्ष की शक्ति नहीं थी।

(iii) कायर रामगुप्त मंत्री परिषद में दूत के माध्यम से भेजे गये, शकराज के प्रस्ताव का कि महादेवी ध्रुवस्वामिनी और मगध के सामन्तों की पत्नियों को उसके अन्तःपुर में भेज दिया जाए, अन्यथा युद्ध के लिए रामगुप्त तैयार रहे। रामगुप्त अपनी कायरता के कारण यह प्रस्ताव स्वीकार कर लेता है। वह युद्ध की चुनौती को स्वीकार नहीं करता और राष्ट्र-रक्षा की दुहाई देकर ध्रुवस्वामिनी और सामान्तों की स्त्रियों को शकराज के लिए उपहार स्वरूप देने का निर्णय लिया था। चन्द्रगुप्त इस समय रामगुप्त का विरोध इसलिए नहीं कर पा रहा था क्यांकि यदि वह विरोध प्रकट करता। तो सम्भव था कि रामगुप्त उसका साथ न देते।

(iv) अयोग्य शासक रामगुप्त के राज-सिंहासन पर बैठने के कारण मगध साम्राज्य की जड़े खोखली होती जा रही थी। कायर व अयोग्य शासक से कोई भी भयभीत नहीं होता था और न ही ऐसे राजा का र्को सम्मान करता था। रामगुप्त ने अपने पिता सम्राट समुद्रगुप्त द्वारा स्थापित महान मूल्यों की ओर कोई ध्यान नही दिया। इसके विपरित वह नीति व न्याय के विरूद्ध शासक चला रहा था। रामगुप्त एक कायर व अयोग्य व्यक्ति था जो केवल अपने प्राणों को सुरक्षित कर सकने की नीति पर चल रहा था। उसे अपने गुप्त वंश के गौरव का कोई ध्यान नही था। वह राज्य तथा प्राण के हितों की चिनता कभी नहीं करता। उसे नारी-जाति की मान-मर्यादा का कोई मोह नहीं। वह गुप्त वंश की श्रेष्ठ साधनाओं तथा संस्कृति के विपरीत व्यवहार कर रहा था।

Question 9

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:—

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिएः-

"लेकिन देवसेना, मैं अपने इस वचन का पालन न कर सका। रामगुप्त को संसार कायर कहता है, लेकिन रामगुप्त कायर नहीं है चन्द्रगुप्त जिसने अपने वचन का पालन न कर चुपचाप इतने बडे अन्याय को सह लिया"

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है? उसके एवं उसके पिता के विचारों में क्या समानता थी? [2]

(ii) वक्ता किस वचन की ओर संकेत कर रहा है? उस वचन का पालन क्यों नहीं किया जा सका? [2]

(iii) रामगुप्त कौन है? संसार उसे कायर क्यों कहता है? [3]

(iv) 'परिस्थितियाँ वीर पुरूष को भी लाचार बना देती है' - प्रस्तुत पंक्ति को आधार बनाकर एक अनुच्छेद में अपने विचार दीजिए।

परीक्षकों की टिप्पणियाँ-

(i) इस प्रश्न का उत्तर लगभग सभी छात्रों ने सटीक लिखा है। प्रश्न स्पष्ट होन के कारण अधिकांश छात्रों ने स्पष्ट उत्तर लिखा है।

(ii) प्रश्न के प्रथम भाग का उत्तर अधिकांश छात्रों ने सही लिखा है, पर दूसरे भाग का उत्तर कुछ छात्रों ने सटीक नहीं लिखा है। अधिकांश बच्चें वचन को लेकर भ्रमित दिखाई दिए तथा वचन के पालन को स्पष्ट नही कर पाए।

(iii) अधिकांश छात्रों ने उत्तर सही लिखा है। कुछ छात्र रामगुप्त की कायरता को स्पष्ट नहीं कर पाए।

(iv) अधिकांश छात्र ने इस प्रश्न का सामान्य उत्तर लिखा जबकि इसमें चन्द्रगुप्त का उदाहरण देकर उत्तर को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता था। कुछ छात्रों ने सन्दर्भ में सही प्रकार से उत्तर दिया है। कुछ छात्रों द्वारा परिस्थिति तथा लाचारी के स्थान पर साधारण उत्तर ही लिख पाए। कुछ बच्चों द्वारा मुख्य बिन्दु अपेक्षाकृत कम लिखे गए। उक्ति का अर्थ स्पष्ट नहीं किया गया।

अध्यापकों के लिए सुझाव-

- विद्यार्थियों को उपन्यास के आधार पर ऐसे तथ्यों से भी अवगत कराया जाय जिससे वे अपनी तर्क शक्ति के आधार पर ऐसे प्रश्नों का उत्तर देने मे सक्षम हो सकें।
- उपन्यास में प्रयुक्त मुख्य बिन्दुओं की ओर ध्यान दिलाया जाए जिससे उनके अध्ययन में गहनता आए।
- छात्रों को विचारात्मक प्रश्नों का अधिकाधिक अभ्यास करवाया जाना चाहिए।
- प्रश्न के सभी भागों का अलग-अलग उत्तर लिखना सिखाया जाना चाहिए।
- विद्यार्थियों को उपन्यास की घटनाओं की जानकारी विस्तार से दी जानी चाहिए तथा बीच-बीच में घटनाओं की आवृति करवायी जाये तो याद रखने में सरलता होगी।
- उपन्यास के मुख्य बिन्दुओं को लिखवाकर याद करवाया जाना चाहिए जिससे छात्र उत्तर लिखते समय भ्रमित न हो।
- अध्यापकों को उपन्यास के प्रत्येक अंक को आधार बनाकर अलग-अलग प्रश्न करना चाहिए जिससे अंक को अलग करने में छात्र भ्रमित न हों।
- स्पष्ट भाषा व शुद्ध वर्त्तनी का ध्यान रखना भी आवश्यक है जिससे छात्रों का अभ्यास पूरा हो सके।
- चारित्रिक विशेषता बताने वाले प्रश्नों का अभ्यास करवाना चाहिए तथा दो चरित्र में तुलनात्मक व्याख्या करना भी सिखाया जाना चाहिए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

अंक योजना–

प्रश्न 9

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता चन्द्रगुप्त है। वह मगध सम्राट समुद्रगुप्त का छोटा पुत्र है। उसे युवराज घोषित कर दिया जाता है क्योंकि वह मद्र देश के राजा को हराकर उसकी पुत्री ध्रुवस्वामिनी को ले आया है। उसमें अपार वीरता, साहस एवं पराक्रम है। वह अपने पिता की ही तरह देश के लिए चिन्तित रहता है। वह समुद्रगुप्त के समान सम्पूर्ण भारत के छोटे–छोटे राज्य को जीतकर एक करने में लगा हुआ था।

(ii) चन्द्रगुप्त देवसेना को अपनी असमर्थता बता रहा है कि वह धुव्रस्वामिनी के पिता को दिये गये वचन का पालन नही कर सका। ध्रुवस्वामिनी के पिता को चन्द्रगुप्त के वचन दिया था कि वह अपने अन्तिम साँस तक ध्रुवस्वामिनी के मान–सम्मान, गौरव पद मर्यादा की रक्षा करेगा। मान–सम्मान चन्द्रगुप्त उक्त वचन का पालन और नहीं कर सका इसका कारण यह था कि जब वह अयोध्या में शकों के साथ युद्ध पर गया हुआ था तो सम्राट समुद्रगुप्त की मृत्यु के बाद रामगुप्त ने राजसिंहासन पर अधिकार करने क साथ–साथ ध्रवस्वामिनी से भी बलपूर्वक विवाह कर लिया। चन्द्रगुप्त को पिता की बीमारी की सूचना तक नहीं दी गयी थी।

(iii) रामगुप्त सम्राट समुद्रगुप्त का बड़ा पुत्र तथा चन्द्रगुप्त का बड़ा भाई है। संसार उसे कायर इसलिए कहता है कयोंकि उसने राजनीति व धर्म के विरूद्ध राज–सिंहासन पर अधिकार कर लिया था। सम्राट समुद्रगुप्त की मृत्यु के बाद युवराज चन्द्रगुप्त को राज–सिंहासन मिलने वाला था जिसे धोखे से रामगुप्त ने हथिया लिया। उसने बीमारी की सूचना चन्द्रगुप्त को नही दी। पिता ने निर्णय के विपरित आचारण करना भी रामगुप्त की कायरता है। सबसे बड़ी कायरता यह है कि उसने उस ध्रवस्वामिनी से बलपूर्वक विवाह कर लिया जो उसके छोटे भाई की मंगेतर थी। ध्रुवस्वामिनी की इच्छा के विरूद्ध किया जाने वाल यह विवाह रामगुप्त को कायर सिद्ध करता है।

(iv) विष्णु शर्मा ने जब चन्द्रगुप्त को बताया कि रामगुप्त के सभी कार्य प्रजा व धर्म के विरूद्ध है। मगध की दक्षिणी–पश्चिमी सीमा पर मालवा, गुजरात और सौराष्ट्र के शकों ने आक्रमण करने प्रारम्भ कर दिए है। पूर्व में नाम शासकों ने उपद्रव मचा रखा है। दक्षिण में वाकाटक महाराज रूद्रदेव द्वितीय की शक्ति दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं। चन्द्रगुप्त तब कहता है कि मगध उसका है और वह जीते जी विदेशी शक्तियों को इस पवित्र भूमि पर पैर नहीं रखने दे सकता। उसने संगठन पर बल देने के साथ–साथ यह भी कहा कि वह रामगुप्त व उसके साथियों का क्षण भर में नाश कर सकता है। पंरतु वह गृह–युद्ध नही चाहता। अतः चन्द्रगुप्त रामगुप्त का विरोध नही कर पा रहा था। उपर्युक्त अनुच्छेद से स्पष्ट होता है कि परिस्थितियाँ वीर पुरूष को भी लाचार बना देती हैं।

Question 10

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"आज हमने अपने पिता आर्य समुद्रगुप्त के ऋण को ही नहीं चुका दिया बल्कि जननी जन्मभूमि के उस ऋण को भी चुका दिया है जिसका बोझ जन्म से ही हमारे सिर पर था।"

(i) उपर्युक्त पंक्तियों का सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) आर्य समुद्रगुप्त कौन थे? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(iii) समुद्रगुप्त का ऋण किसने, किस प्रकार चुकाया? [3]

(iv) 'जन्मभूमि' का व्यक्ति पर किस प्रकार का ऋण होता है? जन्मभूमि के ऋण को किस प्रकार चुकाया जा सकता है? एक अनुच्छेद में उतर दीजिए। [3]

परीक्षकों की टिप्पणियाँ-

(i) अधिकांश विद्यार्थियों द्वारा सही उत्तर लिखने का प्रयास किया गया। कुछ विद्यार्थी परिचय तथा चरित्र चित्रण में भ्रमित रहे। कुछ छात्रों के द्वारा लिखे उत्तर में मुख्य बिन्दुओं का अभाव पाया गया।

(ii) अधिकांश विद्यार्थियों ने इस प्रश्न का उत्तर सही लिखा है। कुछ छात्र इस प्रश्न में ऋण चुकाने की बात पर भ्रमित रहे। कुछ छात्रों ने ऋण किसने चुकाया, सही लिखा। परन्तु किस प्रकार चुकाया कुछ विद्यार्थियों ने गलत लिखा है। कुछ छात्रों को प्रश्न के दूसरे भाग का अर्थ लिखने में कठिनाई हुई और मुख्य बिन्दु कम पाए गए।

(iii) इस प्रश्न में बहुत से बच्चें ऋण चुकाने की बात पर भ्रमित दिखाई दिए। कुछ विद्यार्थियों ने ऋण किसने चुकाया, सही लिखा। परन्तु किस प्रकार चुकाया गलत लिखा है। कुछ छात्रों के इस प्रश्न में मुख्य बिन्दु कम पाए गए। कुछ छात्रों द्वारा समुचित उत्तर भी दिए गए।

(iv) सामान्य प्रश्न था इसलिए विद्यार्थियों ने सामान्य उत्तर अपने विवके से दिए। कुछ विद्यार्थियों ने ऋण शब्द का स्पष्टीकरण नहीं किया। अधिकांश विद्यार्थियों ने इस प्रश्न का समुचित उत्तर दिया। कुछ छात्रों को इस प्रश्न को समझने में कठिनाई हुई जिसके कारण मुख्य बिन्दु अपेक्षाकृत कम पाए गए। इस प्रश्न को अधिक बच्चे भली भाँति समझ पाए लेकिन उपन्यास से उदाहरण कुछ ही बच्चों ने दिया।

अध्यापकों के लिए सुझाव-

- उपन्यास पढ़ाते समय उसमें आए कठिन शब्दों की विशद् व्याख्या करनी चाहिए। उसके भाव इतने स्पष्ट हों कि उत्तर लिखते समय छात्रों को कठिनाई न हो।
- उपन्यास के सभी तथ्यों की पूर्ण जानकारी आवश्यक है और उन तथ्यों के आधार पर अभ्यास भी कराया जाना चाहिए।
- उपन्यास के किसी विशेष-विशेष अंक का मंचन कराने से भी तथ्यों को समझना तथा याद रखना सरल होता है। ऐसे प्रयास भी किए जा सकते हैं।
- उपन्यास से सभी पात्र का परिचय विस्तृत रूप से दिए जाएँ और उनसे जुड़े अन्य तथ्य भी बनाये जाने चाहिए।
- प्रश्न के सभी भागों के उत्तर पृथक-पृथक लिखने का अभ्यास कराया जाना चाहिए। मुख्य बिन्दु याद करवाने चाहिए तथा प्रश्न के उत्तर का मौखिक एवं लिखित दोनों अभ्यास करवाना चाहिए।
- निरन्तर अभ्यास के द्वारा वर्त्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों को सुधारने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- छात्रों को यह स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि प्रश्न का उत्तर लिखने के पश्चात एक बार सरसरी नजर से देख लें कि कहीं कुछ छूट न गया हो।
- उपन्यास का बार-बार ध्यान से पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

अंक योजना–

प्रश्न 10

(i) उपर्युक्त पंक्तियों का सम्बन्ध उस समय का है, जब इन्द्रप्रस्त के खंडहरों के निकट पर ऊँची पहाड़ी पर चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य की विजय सेना का पडाव पडा हुआ थ। चन्द्रगुप्त ने वाहिलकों पर विजय पायी थी तथा महान विजय के समारोह पर वाकाटक महाराज रूद्रसेन ने भी आने का निमन्त्रण स्वीकार किया था। सम्राट ने राजकुमारी प्रभावती और रूद्रसेन का विवाह करने का भी निश्चय किया था।

(ii) आर्य समुद्रगुप्त चन्द्रगुप्त विक्रमादितय एवं रामगुप्त के पिता थे। वे गुप्त–वंश के प्रतापी सम्राट। वे अत्यन्त शौर्यवान, साहसी, दूरदर्शी ही नहीं थे अपितु कला एवं साहित्य के प्रेमी भी थे। वे अपनी प्रजा से पुत्रवत् स्नेह रखते थे। उन्होंने अपने शासनकाला में अनेक देवालयों, विश्वविद्यालयों, मठों एवं धार्मिक स्थलों की स्थापना की।

(iii) समुद्रगुप्त का ऋण उनके कनिष्ठ पुत्र चन्द्रगुप्त ने चुकाया। समुद्रगुप्त अपने जीवनकाल में मालवा, गुजरात और सौराष्ट्र पर विजय नही पा सके थे। उन्होंने अखण्ड़ भारत पर स्वप्न देखा था कि वह पूर्ण नही हो पाया था। चन्द्रगुप्त ने सौराष्ट्र, मालवा एवं गुजरात पर विजय प्राप्त कर इस स्वप्न को पूरा करके यह ऋण चुकाया। उन्होंने वाह्लिक सेना पर विजय पायी तथा महाराज रूद्रसेन को निमंत्रित करके राजकुमारी प्रभावती से उनका विवाह करवाकर दोनों राज्यों की पुरानी शत्रुता को समाप्त किया।

(iv) यद्यपि जननी हमे जन्म देती हैं, परन्तु हम अपनी जन्मभूमि का अन्न, जल खा पीकर बड़े होतें है। हमारे पालन–पोषण में जन्मभूमि का महत्वपूर्ण योगदान है। वही हमे सहारा देती है। हम उसकी गोद में खेलते–कूदतें है। अतः हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी जन्मभूमि का ऋण चुकाने के लिए उसकी उन्नति एवं समृद्धि के लिए प्रयत्नवान रहें तथा जब कभी उस पर संकट आये, तो अपने प्राण भी उस पर न्यौछावर कर दें।

एकांकी सुमन

Question 11

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:–

“सरकार को गाली ही दी जाती है। गोली चली तो गाली देते है। बैंक लुट जाता है तब भी गाली ही देते है। ”

– सीमा रेखा –

लेखक– विष्णु प्रभाकर

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है? उसने ये वाक्य किससे और कब कहा? [2]

(ii) सरकार को गाली ही दी जाती है – कथन के आधार पर सरकार पर प्रकाश डालिए। [2]

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(iii) श्रोता कौन है? श्रोता का चरित्र-चरित्रण कीजिए। [3]

(iv) 'जनतंत्र में सरकार और एक-दूसरे के पूरक होते है।' एकांकी के आधार पर इस कथन के पक्ष में अपने विचार एक अनुच्छेद में लिखिए। [3]

परीक्षकों की टिप्पणियाँ-

(i) अधिकांश छात्रों ने इस प्रश्न का समुचित उत्तर दिया। प्रश्न के प्रथम भाग में कुछ विद्यार्थियों ने गलत लिखा था तथा 'कब कहा' यह भी उत्तर सही नहीं लिखा। कुछ विद्यार्थी वक्ता तथा श्रोता से भ्रमित रहे।

(ii) 'सरकार को गाली ही दी जाती है' बहुत से बच्चों ने यह बात स्पष्ट नहीं की केवल सरकार की मुश्किले ही लिख दी। वर्णनात्मक उत्तर था। सामान्य ज्ञान से ही उत्तर दिया जा सकता था। परन्तु अपेक्षित उत्तर नहीं दे पाए। कुछ छात्रों ने इस प्रश्न को स्पष्ट उत्तर भी दिया है।

(iii) बहुत से विद्यार्थियों ने छोटी-छोटी गलतियां की जैसे श्रोता को ही नही समझ पाए तथा गलत श्रोता लिख कर उसी का चरित्र-चित्रण कर दिया। कुछ छात्र श्रोता गलत लिख दिया। इसी आधार पर परिचय भी गलत लिखा। अन्नापूर्ण के स्थान पर सविता लिखा। परिचय भी सविता का लिखा।

(iv) कुछ छात्रों ने केवल कथन को स्पष्ट किया तथा कुछ बच्चे केवल एकांकी के आधार पर लिख पाए। कुछ छात्रों ने प्रश्न का सामान्य उत्तर लिखा जबकि प्रश्न का उत्तर एकांकी के आधार पर लिखना था। कुछ छात्रों को प्रश्न समझने में कठिनाई हुई। मुख्य बिन्दु अपेक्षकृत कम पाए गए।

अध्यापकों के लिए सुझाव-

- एकांकी अत्यन्त सरल है। कक्षा में उसका मंचन करवाकर मुख्य घटनाओं को स्पष्ट किया जाना चाहिए। इसे एक रोचक गतिविधि के अंतर्गत किया जा सकता है।
- सन्दर्भ एवं प्रसंग संबन्धी प्रश्नों का बार-बार अभ्यास करवाया जाए। इन शब्दों को लक्ष्य बनाकर विशेष व्याख्या की जानी चाहिए।
- उत्तर को अपेक्षित विस्तार देते हुए छात्रों से लिखित प्रश्न का अभ्यास करवाना चाहिए।
- एकांकी का उद्देश्य, शीर्षक की सार्थकता तथा केन्द्रीय भाव की अलग-अलग व्याख्या हो तथा उसका लिखित अभ्यास करवाया जाना चाहिए।
- पाठ के प्रत्येक पहलू को स्पष्ट तौर पर समझाया जाना चाहिए।
- मुहावरे एवं लोकोक्तियों के अर्थ भी बताये जाएँ तथा समयानुसार उचित प्रयोग का अभ्यास भी करवाया जाए।
- एकांकी के घटनाक्रम को स्पष्ट करते हुए तर्क सहित उत्तर लिखने का अभ्यास करवाना आवश्यक है।
- मानवीय संवेदनाएँ तथा अनुभूतियाँ जीवन में कितना महत्व रखती हैं, एकांकी के सम्बन्धों के आधार पर स्पष्ट किया जाना चाहिए।
- विद्यार्थियों को यह अभ्यास कराया जाना चाहिए कि उत्तर लिखने के बाद एक बार जाँच लें कि प्रश्न के सभी भागों का उत्तर स्पष्ट लिखा है या नहीं।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

अंक योजना–

प्रश्न 11

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता शरतचन्द्र है। वह उपमंत्री है। नेता होने के नाते उनमें अपने तथा अपने शासन के प्रति पूर्ण विश्वास है। शरतचन्द्र ने ये वाक्य अपनी पत्नी अन्नपूर्णा से उस समय कहा था जब अन्नपूर्णा ने उसे बताया कि वह जब जीजी (जेठानी) के पास गई थी, रास्ते में सुना था कि रामगंज में गोली चल गई। बाजार बंद हो रहे है। चारों ओर लोगों में भय छाया हुआ है और सरकार को गालियाँ दे रहे है।

(ii) आजकल हर जगह दंगा फसाद हो रहे है उनके कई कारणों में मुख्य कारण आन्दोलन करने की स्वतन्त्रता है। यह आन्दोलन की प्रवृत्ति इतनी बढ़ती जा रही है कि प्रायः छोटी-छोटी समस्याओं के लिए उग्र आन्दोलन किये जाने लगे हैं। इन आन्दोलनों की सुरक्षा व देखभाल की जिम्मेदारी पुलिस और प्रशासन की होती है। इन आन्दोलनों के उग्र रूप धारण करने पर खून खराबा, मारपीट तथा आगजनी बढ़ने लगती है। इन समस्याओं पर नियन्त्रण पाने के लिए सरकार द्वारा जो आदेश दिया जाता है सरकार को उसके लिए अपमानजनक बातों को ही सुनना पड़ता हैं।

(iii) श्रोता शरतचन्द्र की पत्नी अरविन्द की माँ अन्नपूर्णा है। वह परिवार की दूसरे नम्बर की बहू है। अन्नपूर्णा का स्वभाव बहुत सरल और सीधा है। अपने पुत्र की मृत्यु पर वे पुलिस को जघन्य अपराधी मानती है। अपने पुत्र तथा दोनों देवर विजय और सुभाष की मृत्यु के बारे में उनका कहना है कि यह उनके घर की क्षति हुई है। अन्नपूर्णा एक कोमल और भावुक स्वभाव की स्त्री है।

(iv) प्रस्तुत एकांकी में सरकार तथा जनता दोनों को अपने-अपने दायित्वों का बोध कराना बताया गया है। जनतन्त्र में सरकार और प्रजा एक दूसरे के पूरक होते है। जनतन्त्र में जनता और सरकार के बीच कोई विभाजक-रेखा नही होती। राष्ट्र में प्रत्येक नागरिक के सोचने की एक सीमा रेखा सुनिश्चित होनी चाहिए। सरकार और जनता के बीच का सन्तुलन तब बिगड़ता है जब दोनों पक्ष अपने-अपने मूल कर्तव्यों को भूलकर केवल अपने-अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहते हैं। अपने-अपने स्वार्थ के विषय में चिंतन करने से अव्यवस्था फैलने लगती है। इसलिए कर्तव्य का पालन करते हुए यदि मरना भी पड़े तो समाज के प्रत्येक नागरिक को ऐसा करने से पीछे नहीं हटना चाहिए। हमें अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी निभाना चाहिए।

Question 12

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

"नहीं मातुश्री, वे आपको कभी नहीं भूल सके, वे तो आपको सदैव स्मरण करते है। वे सब तरह से कुशल हैं, यदि उन्हें दुःख है तो केवल आपका ही दुःख है। वीर लक्ष्मण भी सकुशल हैं। आप किसी तरह की चिंता न करें। आपके प्रति प्रभु राम के हृदय में जो प्रेम है, उसकी थाह नहीं ली जा सकती।"

– राजरानी सीता–

लेखक– डॉ. रामकुमार वर्मा

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(i) 'मातुश्री' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? हनुमान का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

(ii) 'वे' शब्द का सम्बोधन किसके लिए किया गया है? उनके सम्बंध में श्रोता ने वक्ता से क्या-क्या कहा? संक्षेप में लिखिए। [2]

(iii) इस समय श्रोता के हृदय में क्या संदेह था? वक्ता ने श्रोता के संदेह को कैसे दूर किया? [3]

(iv) श्रोता की मनोदशा का वर्णन कीजिए और बतलाइए कि वक्ता के किन वचनों से श्रोता के मनोभावों में, क्या अन्तर आया। [3]

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

परीक्षकों की टिप्पणियाँ–

(i) अधिकांश छात्र इस प्रश्न का उत्तर देने में समक्ष थे। इस प्रश्न का उत्तर प्रायः सभी विद्यार्थियों ने सही लिखा है। प्रश्न साधारण था सभी बच्चों का प्रयास सफल रहा बस कुछ बच्चे हनुमान के परिचय में भ्रमित दिखाई दिए।

(ii) 'वे' शब्द से छात्र पूर्णतया परिचित थे लेकिन सीता ने क्या कहा उस बात का भली प्रकार स्पष्ट नही कर पाए। कुछ विद्यार्थियों ने प्रश्न के प्रथम भाग का उत्तर सही लिखा परन्तु द्वितीय भाग में श्रोता के कथन के स्थान पर हनुमान जी था। कुछ छात्रों ने इस प्रश्न का उत्तर स्पष्ट भी लिखा है। इस प्रश्न का उत्तर अधिकांश छात्रों ने सही लिखा हैं।

(iii) श्रोता के ह्रदय के संदेह को स्पष्ट करने में कुछ विद्यार्थी भ्रमित दिखाई दिए तथा संदेह कैसे दूर किया इस विषय में भी भ्रमित रहे। कुछ छात्रों ने प्रसंग के आधार पर नहीं बल्कि पाठ के आधार पर उत्तर लिख दिया जैस उन्हें लगा कि वह रावण के द्वारा भेजा गया मायावी दानव न हो।

(iv) श्रोता की मनोदशा को बच्चे भली भाँति लिख पाए पर किन वचनों से मनोभावों में अंतर आया यह बात स्पष्ट नहीं कर पाए। कुछ छात्रों ने प्रश्न के प्रथम भाग का उत्तर सही दिया। द्वितीय भाग को अवतरण में से ही लिख दिया और तृतीय भाग क्या अंतर आया का उत्तर देना भूल गए। कुछ छात्रों ने इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर लिखा है।

अध्यापकों के लिए सुझाव–

- कक्षा में 'संदर्भ' शब्द का अभिप्राय अवश्य समझाएँ ताकि छात्र शब्द को समझें और इसका उत्तर भली–भाँति लिख सकें।
- विद्यार्थियों को ध्यानपूर्वक एकांकी पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाये।
- परिचय तथा चारित्रिक विशेषताओं में अन्तर समझाया जाए।
- मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित कराकर उनका अर्थ स्पष्ट करें एवं अभ्यास हेतु छात्रों को प्रश्न दिए जायें।
- विद्यालय के मंच पर ही एकांकी का मंचन करवाया जाए इससे छात्रों में एकांकी के प्रति रूचि उत्पन्न होगी।
- एकांकी पढ़ाते समय उसमें वर्णित महत्वपूर्ण स्थल जैसे नाम, स्थान, समय आदि को रेखांकित करवाया जाए जिससे वे आसानी से याद हो सकें।
- सभी प्रकार के प्रश्नोत्तरों का अभ्यास लिखित रूप से करवाया जाए तथा वर्त्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों में संशोधन कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाए।
- विवेचनात्मक तथा समीक्षात्मक प्रश्नों का अभ्यास अधिक से अधिक करवाया जाए।

अंक योजना–

प्रश्न 12

(i) 'मातुश्री' शब्द का प्रयोग हनुमान द्वारा सीता जी के लिए किया गया है। हनुमान जी रामभक्त है। वे पवन पुत्र व अंजना कुमार के नाम से भी जाने–जाते है। वे केसरी तथा अंजना के पुत्र थे और प्रभु राम की भक्ति में डूबे रहते थे। वे किष्किंधा के राजा सुग्रीव के मंत्री थे। माता सीता की खोज तथा उनकी सम्मान पूर्वक वापसी में हनुमान जी की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। जब सीता जी की खोज करते–करते राम–लक्ष्मण ऋष्यमूक पर्वत पर पहुंचते है तो हनुमान ही सुग्रीव की श्रीराम से मित्रता कराते है। अशोक वाटिका में पहुंच पाना भी हनुमान की वीरता, सूझ–बूझ और दिव्य शक्ति का प्रतीक है। वे अपनी मधुर और विश्वसनीय वाणी द्वारा माता सीता को अपने राम

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

भक्त व रामदूत होने का प्रमाण देते है।

(ii) 'वे' शब्द का सम्बोधन श्रीराम के लिए किया गया है। हनुमान जी श्रीराम के परमभक्त होने के कारण सीता जी के भी भक्त है। वे सीता जी से पहली बार मिलते है और उन्हें माता कहकर सम्बोधित करते हैं। राम का एक पत्नीव्रत रूप दिखाने के लिए हनुमान सीता से कहते है कि राम एक क्षण भी उन्हें नहीं भूल सके। वे तो प्रत्येक क्षण उन्हें ही स्मरण करते है। वे सीता जी को राम के कुशल होने का विश्वास भी दिलाते है। वे यह भी बताते है कि राम को केवल सीता के वियोग का दुःख है। इस के साथ ही वह लक्ष्मण के कुशल होने का संकेत भी देते हैं।

(iii) इस समय श्रोता (सीता) के ह्दय में यह संदेह था कि हनुमान को कहीं रावण ने तो नही भेजा। मनुष्य (श्रीराम) और वानर (हनुमान) का साथ कैसे हो सकता है। वक्ता ने श्रोता के संदेह को दूर करने के लिए सीता हरण की कथा सुनाकर उनके द्वारा फेंके गए आभूषणों-वस्त्रों, वानरराज सुग्रीव द्वारा उन्हें उठाने, श्रीराम द्वारा उन्हें पहचानने तथा सुग्रीव से हुई उनकी मित्रता की सारी पृष्ठ भूमि बताते है। सुग्रीव ने सीता की खोज में अनेक वानर भेजे है और वह स्वंय भी उन्ही द्वारा भेजा गया रामदूत हनुमान है। तब जाकर श्रोता(सीता जी) को हनुमान को विश्वास होता है।

(iv) हनुमान तब सीता जी को यह बताते है कि प्रभु राम को केवल उन्हीं का दुःख है और उनके ह्दय में सीता जी के लिए जो प्रेम है उसकी थाह नही ली जा सकती। तो वे भावुक होकर स्वयं को अभागिन कहती हैं। उन्हे स्मरण आता है कि प्रभु राम को इस दुःख में डालने के लिए वे स्वंय जिम्मेदार है। यदि वे उस कपट-मृग के लिए हठ न करती और श्रीराम के समझाने पर अपना हठ त्याग देती तो आज उनकी यह दशा न होती। उनकी मनोदशा पश्चाताप में डूबी स्त्री की दशा है। वे सोचती है कि उन्होंने अपने साथ-साथ श्रीराम तथा लक्ष्मण को भी घोर विपत्ति में लाकर खड़ कर दिया है। उनके मन में इस बात की भी ग्लानि है कि उन्होंने रामभक्त तथा पुत्र के समान लक्ष्मण द्वारा बनायी गयी रेखा का भी सम्मान नहीं दिया।

Question 13

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:—

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिएः-

"आज का जमाना ऐसा नही रहा। अगर हम बच्चों के साथ बहुत सख्ती करेंगे, तो बच्चे, आज नही तो कल, हमारा सामान जरूर करने लगेंगे। हमें ही झुकना होगा। क्या फायदा बहस से?''

-भटकन-

लेखक- शैल रस्तोगी

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता कौन है? उसका परिचय दीजिए। [2]

(ii) वक्ता किसे समझा रहा है और क्यों ? [2]

(iii) श्रोता पर वक्ता के कथन का क्या प्रभाव पड़ता है? वह क्या उत्तर देती है? [3]

(iv) बच्चों और माता-पिता के बीच कब और क्यों दूरी पैदा हो जाती है? इस दूरी का क्या परिणाम होता है? [3]

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

परीक्षकों की टिप्पणियाँ–

(i) वक्ता से सभी छात्र पूर्णतया परिचित थे तथा उनका परिचय भी स्पष्ट कर पाए लेकिन चरित्र के गुणों के लेखन में भ्रमित दिखाई दिए। अधिकांश छात्रों ने प्रश्नों के उत्तर सही लिखे पर कुछ ने कला का नाम लिख दिया जो कि गलत था।

(ii) श्रोता से सभी छात्र परिचित थे केवल कुछ विद्यार्थी प्रश्न के क्यों भाग का उत्तर अधिक स्पष्ट नहीं कर पाए। प्रश्न के प्रथम भाग का उत्तर सही लिखा। द्वितीय भाग में विभिन्न उत्तर मिले। कुछ प्रासंगिक थे कुछ प्रत्यक्ष रूप से प्रासंगिक नही थे परन्तु सही थे।

(iii) श्रोता वक्ता की बातचीत का प्रभाव कुछ बच्चे स्पष्ट नही कर पाए। केवल उसके द्वारा दिया गया उत्तर ही लिखते रहे। प्रश्न द्वितीय भाग का उत्तर कुछ विद्यार्थियों ने सही नहीं लिखा। कुछ विद्यार्थियों द्वारा इस प्रश्न का उत्तर स्पष्ट तथा उचित था।

(iv) इस प्रश्न को कुछ बच्चों ने भली प्रकार लिखा लेकिन कुछ बच्चों ने तीनों भाग स्पष्ट नही कर पाए। इस प्रश्न के उत्तर में कुछ बच्चों ने अपने–अपने मन के उदगार लिखे जो सही थे। कुछ छात्रों द्वारा इस प्रश्न का समुचित उत्तर दिया गया।

अध्यापकों के लिए सुझाव–

– एकांकी को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाये तथा सम्बन्धित प्रश्नावली तैयार करके उसका लिखित अभ्यास करवाया जाये।

– एकांकी के पात्रों का अभिनय करवाकर कक्षा में रूचि जगाई जा सकती है तथा दृश्य और भाव याद करने में भी सरलता होगी।

– एकांकी में वर्णित पात्रों की मनःस्थिति को स्पष्ट रूप से समझाया जाना चाहिए।

– एकांकी के पात्रों का चरित्र–चित्रण करवाना तथा उनसे जुड़े संदर्भ भी बताना चाहिए जिससे छात्रों को चारित्रिक विशेषताएँ बताने में कठिनाई न हो।

– चरित्र–चित्रण सम्बन्धी मुख्य बिन्दुओं को या प्रतीकात्मक संकेत की ओर विशेष ध्यान दिलाना चाहिए।

– उत्तर लिखते समय पात्रों का नाम लिखना भी महत्वपूर्ण है। इस ओर विशेष ध्यान दिलाना चाहिए।

– मुहावरों तथा लोकोक्तियों को रेखांकित करवाकर उनका अर्थ बताना आवश्यक है ताकि उत्तर लिखते समय छात्र भ्रमित न हों।

– व्याख्या तथा तर्क देने वाले प्रश्नों का कक्षा में ही अभ्यास करवाया जाना चाहिए।

– कक्षा में लेखन कार्य का बारम्बार अभ्यास करवाना एवं वर्त्तनी सुधार पर बल देना चाहिए।

अंक योजना–

प्रश्न 13

(i) प्रस्तुत कथन का वक्ता दिवाकर है। वे प्रस्तुत एकांकी में चर्चित परिवार के मुखिया है। नीरू उनकी पुत्री तथा मनुज उनका पुत्र है। उनकी पत्नी कला एक कॉलेज में पढ़ने जाती है। दिवाकर अत्यंत

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

सुलझे हुए व्यक्ति है। वे आज की नई पीढ़ी के बच्चों को प्यार व अपनत्व से निर्दिष्ट करने के पक्षपाती है। उनके विचार है कि डाँट-फटकार द्वारा बच्चों का मार्गदर्शन नहीं हो सकता है। इसके विपरित वे लाताड़ खाकर और भी भटक जाते हैं।

(ii) यहाँ वक्ता दिवाकर अपनी पत्नी कला को समझा रहा है। समझाने का कारण नई पीढ़ी के बच्चों की भटकन है। जब उन्हें कला यह बताती है कि उनका बेटा मनुज रोज साइकिल उठाकर बिना बताए इधर-उधर निकल जाता है तो वे अपनी पत्नी कला को समझाते हैं कि बच्चों के साथ सख्ती की बजाय प्रेम का व्यवहार करना चाहिए। बच्चों की अपनी अपेक्षाएँ होती है। यदि उनकी आवश्यकता और पक्ष को जाने बिना उन्हें डाँटा जाएगा तो उनका स्वभाव विद्रोही हो जाएगा।

(iii) दिवाकर के सुझाव एक उनकी पत्नी कला अपनी बेटी नीरू की शिकायत करने लगती है कि एकदम मुँह बंद करके भी तो नहीं बैठा जा सकता। यदि बच्चे कोई गलती कर रहे हों या भटक रहे हो तो उन्हें डाँटना भी पड़ता है। यदि उन्हें सही मार्ग पर लाने के लिए थोड़ी सख्ती भी की जाती है तो इसमें कोई बुराई नहीं। वे कहती है कि नीरू के कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम चलते रहते है और वह उन्हीं में व्यस्त रहती है। पढ़ाई के नाम पर कुछ दिखाई देता।

(iv) प्रस्तुत एकांकी में बच्चों की 'भटकन' की प्रवृत्ति उसके कारणों तथा समाधान पर विचार हुआ है। नई पीढ़ी पर प्रायः आवारा, दिशाहीन तथा पथभ्रष्ट होने के आरोप लगाये जाते है परन्तु इसके मूल कारण जानने का कोई भी प्रयास नहीं करता-आर्थिक समस्याओं से जूझते मात-पिता दोनों ही अपने-अपने काम में व्यस्त रहते है तो बच्चों को अकेलापन महसूस होने लगता है। उनका विकास मनमाने ढंग से होने लगता है। वे प्रेम व अपनत्व की खोज में बाहर भटकने लगते है। उनकी अपने माता-पिता से दूरियाँ निरन्तर बढ़ती जाती है। इस दूरी का यह परिणाम होता है कि बच्चें घर में अकेलापन महसूस करते है और इस अकेलेपन के कारण वह घर से बाहर इधर-उधर भटकते रहते है। इस प्रकार वह घर में होते हुए भी स्वंय को घर से बाहर महसूस करने लगते है।

काव्य चन्द्रिका

Question 14

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow-

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

लघु सुरधनु-से पंख पसारे-शीतल मलय-समीर सहारे,
उड़ते खग जिस ओर मुँह किये-समझ नीड़ निज प्यारा।
बरसाती आँखों के बादल-बनते जहाँ भरे करूणा जल,
लहरें टकराती अनन्त की-पाकर जहाँ किनारा।
अरूण, यह मधुमय देश हमारा।

-अरूण, यह मधुमय देश हमारा-

कवि-जयशंकर प्रसाद

(i) 'शीतल मलय-समीर' के सहारे कौन और क्यों भारत आते है? [2]

(ii) कवि ने बादलों के विषय में क्या बताया है तथा उनकी तुलना किससे की है?समझाकर लिखिए। [2]

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

(iii) 'नीड़ और किनारा' शब्दों का प्रयोग किस सन्दर्भ में हुआ है? यहां कवि किसके विषय में, क्या सिद्ध करना चाहता है? [3]

(iv) प्रस्तुत गीत कहाँ से लिया गया है तथा इस गीत का मूलभाव क्या है? [3]

<u>परीक्षकों की टिप्पणियाँ-</u>

(i) अधिकांश छात्रों द्वारा इस प्रश्न का स्पष्ट रूप से उत्तर दिया गया। प्रश्न के दोनों भाग स्पष्ट थे बस कुछ छात्र पक्षी भारत क्यों आते है? इसका उत्तर लिखने में भ्रमित दिखाई दिए।

(ii) अधिकांश विद्यार्थी बादलों की तुलना आँखों से कर पाने में भ्रमित दिखाई दिए। बादलों की तुलना में अधिकतर विद्यार्थी भ्रमित रहे। कुछ छात्रों द्वारा लिखा गया यह उत्तर स्पष्ट तथा समुचित रहा है।

(iii) 'नीड़' तथा 'किनारा' शब्दों का अर्थ अलग से स्पष्ट का पाने में अधिकतर विद्यार्थी असमर्थ रहे तथा प्रश्न के द्वितीय भाग के भाव को स्पष्ट कर सके। कुछ छात्रों द्वारा 'नीड़' और 'किनारा' शब्दों का प्रयोग किस सन्दर्भ में हुआ है इसका उत्तर लिखने की जगह 'नीड़' और 'किनारा' का शब्दिक अर्थ लिख दिया। किसके विषय में तो सही लिखा 'क्या सिद्ध करना चाहता है' सही नहीं लिखा।

(iv) गीत कहाँ से लिया गया इस विषय में भ्रमित दिखाई दिए लेकिन मूलभाव को स्पष्ट कर पाए। कुछ विद्यार्थियों ने 'काव्य-चन्द्रिका' लिख दिया। जबकि 'चन्द्रगुप्त' नाटक लिखना चाहिए था। कुछ ने केवल चन्द्रगुप्त लिखा। मूलभाव सही लिखा। कुछ छात्रों द्वारा इस प्रश्न का समुचित उत्तर लिखा गया।

<u>अध्यापकों के लिए सुझाव-</u>

- कविता में छिपे भाव का ज्ञान स्पष्ट रूप से करवाना चाहिए। अर्थ बताते समय बीच-बीच में छात्रों से प्रश्न पूछकर उनकी भागीदारी भी लेनी चाहिए।
- कविता के भाव स्पष्ट करने के बाद छात्रों से कविता का भावार्थ लिखवाना चाहिए जिससे उनकी समझ को परखा जा सके।
- कविता से मिलने वाली प्रेरणा तथा शिक्षा की भी स्पष्ट व्याख्या कक्षा में करनी चाहिए। इसे अनुच्छेद में लिखवाना भी चाहिए।
- कविता में यदि तुलनात्मक दृष्टिकोण है तो समानता और अन्तर को स्पष्ट करना चाहिए।
- विस्तार से उत्तर लिखाना सिखाकर उनके अभिव्यक्ति कौशल का विकास करें।
- अपने शब्दों में उत्तर लिखना तथा अपने भावों को व्यकत करना इसका निरन्तर अभ्यास कक्षा में करवाना चाहिए।
- भाषा का उचित ज्ञान देते हुए व्याकरण का भी अभ्यास अवश्य कराना चाहिए।
- कविता लेखन का उद्देश्य स्पष्ट करें व विचारात्मक प्रश्नो के उत्तर का भी अभ्यास कराएँ। यदि कविता में जीवन दर्शन है तो उसका तात्पर्य भी स्पष्ट करें।
- कवि का साहित्यिक परिचय एवं उनकी विशेषताएँ छात्रों को अवश्य बताया जाए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

अंक योजना–

प्रश्न 14

(i) भारत विभिन्न प्रकार के पक्षियों का आश्रय-स्थल है। दूसरे देशों के पक्षी भी अपने इन्द्रधनुषी पंखों को फैलाये इस देश की तरफ मुँह मोड़तें है और शीतल मलय-समीर के साथ भारत आ जाते है। भारत की यह विशेषता है कि वह सभी को शरण देता है। जब बर्फीले प्रदेशों में ठंड बढ़ जाती है तो वहाँ के पक्षी स्थानान्तरण करके भारत पहुँचते है। भारत न केवल उन्हें शरण देता है बल्कि यह उनका घर भी बन जाता है।

(ii) कवि ने बादलों के विषय में बताया है कि भारत वर्षा में आकाश में उमड़ते-घुमड़त हुऐ तथा जल से परिपूरित बादल ऐसे प्रतित होतें है जैसे करूणा के जल से भरे हुए विशाल नेत्र है। ऐसे नेत्र जिनमें सदा सबके लिए करूणा, दया, प्रेम जैसे भावों का जल है। बादलों की तुलना करूणा के जल से की गयी है। बादल गर्मी से तप्त मनुष्यों पर अपनी करूणा की वर्षा करते है।

(iii) 'नीड़' शब्द से तात्पर्य पक्षी का घोंसला तथा 'किनारा' शब्द का अर्थ तट है। यहाँ इन दोनों शब्दों का प्रयोग अपने-अपने आश्रय-स्थल के सन्दर्भ में हुआ है। जैसे पक्षी सारे दिन उड़कर अपनी थकान उतारने के लिए अपने घोंसले में आश्रय लेता है। उसी प्रकार उफनती और मचलती समुद्र की लहरें किनारे पर आकार शांति प्राप्त करती है। पक्षियों का नीड़ तथा लहरों का किनारा कवि ने भारतवर्ष को बताया है। दूसरे देशों के पक्षी अपने सतरंगी पंखों के साथ भारत की ओर मुँख किए आते है। भारत उनको शरण देकर एक प्रकार से उनका नीड़ अर्थात घर बन जाता है। उसी प्रकार समुद्र की लहरें भी भारत के तटों से टकराकर शांति को प्राप्त करती है क्योंकि उन्हें वहाँ किनारा मिल जाता है।

(iv) प्रस्तुत गीत जयशंकर प्रसाद के प्रसिद्ध नाटक चन्द्रगुप्त का एक गीत है जो सेल्यूक्स की पुत्री कार्नेलिया गाती है। कवि कहता है कि हमारा देश भारत सुन्दर और मधुरता से पूर्ण है। इतना महान है कि यहाँ अनजान लोगों को भी सहारा मिलता है। भारत में जो भी आता है भारत उसे अपना लेता है। पक्षी भी अपना बसेरा ढूँढने भारत आते हैं। भारत में वर्षा भी पर्याप्त मात्रा में होती है। बादल करूणा का संदेश देतें है। समुद्र की लहरें भारत के किनारों से टकराती है। भारत में सूर्योदय का दृश्य बड़ा सुहावना होता है। उषा का मानवीकरण करते हुए कवि ने कहा कि उषारूपी सुन्दरी सोने का कलश लेकर सारे भारत पर सुख की वर्षा करती है। प्राकृतिक सौन्दर्य के वर्णन के साथ-साथ कवि ने भारत की महानता का भी वर्णन किया है।

Question 15

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:-

वर्षा के प्रिय स्वर उर के बुनते सम्मोहन,
प्रणयातुर शत कीट-विहग करते सुख-गायन।
मेघों का कोमल तम श्यामल तरूओं से छन।
मन में भू की अलस लालसा भरता गोपन।
रिमझिम-रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते, छूते वे भीतर अंतर।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज के कण-कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर।

-सावन-

कवि-सुमित्रानन्दन पंत

(i) वर्षा के स्वर मन में क्या प्रतिक्रिया उत्पन्न करते है? [2]

(ii) 'मेघों का कोमल तम श्यामल तरूओं से छन
मन में भू की अलस लालास भरता गोपन।'- पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। [2]

(iii) बूँदों के स्वरों से रोम क्यों सिहर उठते है? समझकर लिखिए। [3]

(iv) मनुष्य के लिए सावन की क्या उपयोगिता है? [3]

परीक्षकों की टिप्पणियाँ-

(i) अधिकांश छात्रों द्वारा इस प्रश्न का स्पष्ट रूप से उत्तर दिय गया। वर्षा के स्वर तथा उसकी प्रतिक्रिया अधिकांश बच्चे स्पष्ट कर पाए बस कुछ बच्चे प्रतिक्रिया में क्या लिखना है इस पर भ्रमित लग रहे थे। कुछ छात्रों ने अवतरण में से ही अवतरण की भाषा में ही लिख दिया। कुछ बच्चों ने कविता की प्रथम दो पंक्तियाँ ही उतार दी। कुछ छात्र प्रश्न के उत्तर लिखने वाली दो मुख्य बाते लिखने में असफल रहे।

(ii) पंक्तियों का मुख्य भाव लिखने में अधिकांश बच्चे भ्रमित दिखाई दिए। अधिकांश विद्यार्थियों द्वारा इस प्रश्न का सही उत्तर नहीं दिया गया। कुछ छात्रों ने इसका समुचित उत्तर भी लिखा है।

(iii) बूँदों के स्वरों की गहराई तथा अनुभूति को बच्चे स्पष्ट कर पाने में असमर्थ रहे। इस प्रश्न का उत्तर लिखने में छात्रों को तीन मुख्य बाते लिखने में कठिनाई हुई। कुछ छात्रों द्वारा इस प्रश्न का समुचित उत्तर भी दिया गया।

(iv) इस प्रश्न को विद्यार्थियों ने भली प्रकार से समझा तथा तरह-तरह से अपने विचार स्पष्ट किए। लेकिन सावन के मौसम में अधिक स्पष्ट नहीं कर पाए। अधिकांश छात्र इस प्रश्न का उत्तर लिखने में सफल रहे। प्रश्न स्पष्ट होने के कारण अधिकतर छात्रों द्वारा समुचित उत्तर दिया गया।

अध्यापकों के लिए सुझाव-

- प्रत्येक दोहे या पद का अर्थ समझाने पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। चूँकि इसकी भाषा भिन्न है अतः छात्रों को समझने में कठिनाई हो सकती है।
- पद में समाहित हर भाव को स्पष्ट रूप से समझाना चाहिए।
- पदों के भाव तथा पंक्ति के अर्थ तथा यदि इसमें प्रतीकात्मक अर्थ छुपे हों तो विशेष व्याख्या की आवश्यकता समझनी चाहिए।
- कक्षा में बार-बार शब्दार्थ तथा भावार्थ की पुनरावृत्ति करनी चाहिए।
- समय-समय पर इस प्रकार के पदों से प्रश्न देकर उचित उत्तर लिखने का अभ्यास कराना चाहिए तथा छात्रों को यह निर्देश देना चाहिए कि उत्तर में अनावश्यक विस्तार से बचें।
- वत्तनी तथा शब्दों के अर्थ पर विशेष ध्यान दिलाना आवश्यक है। वर्त्तनी की अशुद्धियों से छात्रों को कठिनाई उत्पन्न हाती है।
- दोहे से सम्बन्धित भिन्न-भिन्न प्रकार के विश्लेषणात्मक प्रश्नों के अभ्यास द्वारा भावाभिव्यक्ति को पुष्ट किया जाना चाहिए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

अंक योजना–

प्रश्न 15

(i) कवि के अनुसार वर्षा के प्रिय संगीत भरे स्वर मन में सम्मोहन का भाव भरे देते है। इस मुग्ध कर देने वाले संगीत ने मन में प्रेम करने की कोमल भावनाएँ जागने लगती है। उनका धरती के सैंकड़ों कीटों व पक्षियों पर भी प्रभाव पड़ता है। वे प्रेम से व्याकुल हो उठतें है। इस प्रेम–भावना के जागने से वे ही सुख के गीत गाने लगते है और अपने साथियों के प्रति प्रेम की पुकार करने लगते हैं।

(ii) मेघों के छा जाने से धरती पर अंधकार का वातावरण बन जाता है। सावन के मेघों का मदमस्त कर देने वाला यह वातावरण धरती के प्रणियों के मन में मादक कामनाएँ जगाता है। कवि ने संकेत दिया है कि रात्रि का आभास दिलाने वाले मेघ संगीत की मादकता द्वारा प्राणियों में प्रेम की भावनाएँ बढ़ातें है। पृथ्वी पर मानों कोमल व नशीली कामनाएँ जागाने लगी है।

(iii) बूँदों की स्वरों का प्राणियों के मन में सीधा सम्बन्ध होता है। कवि ने कहना चाहा है कि सावन की बरसती मादक बूँदों से तन रोमांचित हो उठता है। यह संगीत लोगों के मन में प्रभाव पैदा करता है। इस प्राकृतिक दृश्य के वातावरण से लोगों का मन झंकृत हो उठता है। ऐसा लगता है कि मनों ये बूँदे व उनसे जुड़े परिवेश मनुष्य से कुछ रहस्यपूर्ण बातें कर रहा है। ऐसे में मानव का रोमांचित होना स्वाभाविक है।

(iv) प्रकृति सौन्दर्य की इस कविता में कवि पंत ने सावन का बड़ा मनोहर वर्णन किया है। सावन में वर्षा के प्रिय संगीत भरे स्वर मन में सम्मोहन का भाव भर देते है। सावन ॠतु से सभी को बहुत लाभ है मई और जून की भीषण गर्मी के बाद जब वर्षा की बूँदे भारत भूमि पर पड़ती है तो तप्त हुई धरा तथा समस्त प्राणियों को राहत मिलती है। प्रकृति का रोम–रोम आनन्दित हो उठता है। किसानों के लिए तो वर्षा ॠतु का विशेष महत्व है। वर्षा का जल किसान की धरती माँ की तप्त आत्मा को शीतलता प्रदान करता है तथा पृथ्वी की उर्वरा बनाने में सहायक होता है। वर्षा आने पर चारों ओर हरियाली छा जाती है गर्मी के कारण जो पेड़ सूखने लगे थे वे हरे–भरे हो जाते है।

Question 16

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:—

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:–

‘‘वह चले झोंके कि काँपे
भीम कायावान भूधर,
जड़–समेत उखड़–पुखड़कर
गिर पड़े, टूटे विटप–वर
हाय! तिनकों से विनिर्मित
घोंसलों पर क्या न बीती,

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

डगमगाए जबकि कंकड़,
ईंट–पत्थर के महल–घर
बोल आशा के विहंगम,
किस जगह पर तू छिपा था,
जो गगन पर चढ़ उठाता
गर्व से निज तान फिर–फिर

–निर्माण–

कवि– हरविंशराय 'बच्चन'

(i) प्रस्तुत कविता के आधार पर बताइए कि आँधी ने किस–किस पर कैसा प्रभाव डाला? [2]

(ii) कवि ने घोंसलों की तुलना किससे और क्यों की है? [2]

(iii) 'आशा के विहंगम' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। प्रस्तुत पंक्ति के द्वारा कवि ने मनुष्य को क्या संदेश दिया है? [3]

(iv) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिएः–

भीम, भूधर, विनिर्मित, विहंगम, गगन विटम [3]

परीक्षकों की टिप्पणियाँ–

(i) आँधी के प्रभाव को छात्रों ने भली भाँति समझा और लिखने का प्रयास किया। बस कुद कैसा शब्द को अधिक स्पष्ट नहीं कर पाए। कुछ छात्रों ने आँधी द्वारा पड़े प्रभाव में पेड़–पौधे तो लिखा पर पहाड़ों का कहीं भी उल्लेख नहीं किया। कुछ छात्रों ने प्रभाव में चिड़िया का घोंसला ही लिखा तथा मुख्य बिन्दु दो नहीं लिखे। कुछ छात्रों द्वारा इस प्रश्न का उचित दिया गया।

(ii) अधिकांश छात्रों ने प्रश्न के प्रथम भाग को तो स्पष्ट किया लेकिन क्यों पक्ष को स्पष्ट नही कर पाए। कुछ छात्र प्रश्न के प्रथम भाग को तो अपने विवके से अलग–अलग लिखा परन्तु द्वितीय भाग का उत्तर नही दे पाये। घोंसलों की तुलना पक्के मकान, महल लिखने के स्थान पर अधिकांश छात्रों ने मानव मन से की है'' लिखा है। कुछ छात्रों ने समुचित उत्तर भी दिया है।

(iii) 'आशा के विहंगम' शब्द को कुछ विद्यार्थी स्पष्ट नहीं कर पाए तथा कुछ विद्यार्थी कवि का सन्देश स्पष्ट कर पाने में असमर्थ रहे। कुछ विद्यार्थियों ने सन्देश

अध्यापकों के लिए सुझाव–

- कविता का अर्थ तथा भावार्थ पूर्ण विस्तार से बताया जाए की भाव बिल्कुल स्पष्ट हो जाए।
- कविता की व्याख्या करते समय उसका मूलभाव समझाना आवश्यक है। साथ ही अभिव्यक्ति कौशल का विकास करने के लिए निरन्तर अभ्यास करवाएँ
- कविता में दिए मुहावरों का काव्य के संदर्भ में अर्थ बताना तथा भाषा में उसके प्रयोग का अभ्यास करवाना चाहिए।
- कविता के मात्र शाब्दिक अर्थ को ही न बताकर कविता के हर भाव पर छात्रों से बार–बार चर्चा करें।
- कवि के द्वारा प्रयोग की गयी सांकेतिक भाषा की बृहत विवेचना की जानी चाहिए।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

को सही लिखा, परन्तु आशा के विहंगम पंक्ति का भाव स्पष्ट करने में विद्यार्थी असमर्थ रहे।

(iv) अधिकांश विद्यार्थियों को शब्दार्थ का ज्ञान था। कुछ विद्यार्थियों ने शब्दार्थ गलत लिखे। जिन्होनें सही लिखे उसमें वर्तनी की अशुद्धियाँ पायी गई। शब्दार्थ में 'भूधर' तथा 'भीम' शब्दों ने विद्यार्थियों को भ्रमित किया।

<u>अंक योजना–</u>

प्रश्न 16

(i) आँधी के ऐसे तेज झोंके चले कि विशाल आकार वाले भारी पहाड़ भी काँप उठे। बड़े–बड़े पेड़ या तो टूट गये या तो जड़ों समेत उखड़कर गिर पड़े। इस प्रकार के वर्णन द्वारा कवि ने आँधी के विनाशकारी प्रभाव को संकेतित किया है।

(ii) कवि ने आँधी के प्रभाव को दिखाने के लिए पक्षियों के घोंसले की पक्के मकानों व महलों से तुलना की है। जिस तेज व विनाशकारी आँधी से ईंट–पत्थर के बने पक्के महल भी डगमगा गये, उसमें घोंसलों की क्या दशा होती है? कवि ने कहना चाहा है कि घोंसले तो तिनकों से बने होते है जो आँधी का सामना नहीं कर पाते। फिर भी पक्षी निराश होकर नहीं बैठ जाते। वे नये सिरे से घोंसले का निर्माण शुरू कर देतें है। अतः मनुष्य को इस प्रकार के विनाश से घबराना नहीं चाहिए बल्कि और नई आशा लेकर नव–निर्माण में जुट जाना चाहिए।

(iii) कवि ने आशावादी दृष्टिकोण व्यक्त करने के लिए आशा के विहंगम अर्थात पक्षी की चर्चा की है। पक्षी सदैव आशावान रहता है। पक्षी आँधी द्वारा नष्ट हो चुके अपने घोंसेले को देखकर स्वयं को असमर्थ या निराश नहीं होने देता। वह पुनः नई मस्ती व लगन के साथ नई धुन गाता हुआ फिर से घोंसला बनाने के काम में जुट जाता है। उसकी नव–निर्माण की शक्ति की आँधी भी प्रभावित नहीं कर सकती। इस प्रकार कवि ने आशा रूपी पक्षी का सन्दर्भ दिया है।

(iv) विशाल, पहाड़, बने हुए पक्षी, आकाश, पेड़।

<u>अध्यापकों के लिए सुझाव–</u>

– विद्यार्थियों को प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

– कविता के केन्द्रीय भाव। मूल भाव लिखवाने का अभ्यास आवश्यक है। प्रत्येक कविता से प्राप्त प्रेरणा का लिखित अभ्यास कराएँ।

– वर्त्तनी संबन्धी अशुद्धियों में सुधार लाने के लिए कठिन शब्दों को बार–बार लिखवाएँ।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

विषय जो परीक्षार्थियों के लिए कठिन/अस्पष्ट रहे–

प्रश्न–1 निबन्ध के कई बिन्दु थे। विद्यार्थियों ने सभी बिन्दुओं की ओर ध्यान नहीं दिया तथा उचित रीति से लिखा भी नहीं।

(i) परिवार के सदस्य में किसका वर्णन करना चाहिए। इस बात को लेकर छात्र भ्रमित दिखाई दिए।

(ii) छात्र त्योहार मनाने के प्रति उत्साह एवं आस्था को अधिक स्पष्ट नहीं कर पाए एवं त्योहार हमें संस्कृति से कैसे जोड़ते हैं यह बात भी अधिक स्पष्ट नही कर पाए।

(iii) इंटरनेट की आवश्यकता तथा मुसीबत पक्ष को छात्र स्पष्ट करने मे भ्रमित थे।

(iv) कहानी लेखन में उक्ति का अर्थ स्पष्ट करने में भ्रमित रहे।

(iv) चित्र परिचय लिखना है इस बात से भ्रमित थे।

प्रश्न–2 (i) औपचारिक पत्र में 'स्पीड ब्रेकर' की बाधा को अधिक स्पष्ट नहीं कर पाए।

(ii) अनौपचारिक पत्र में बच्चे प्रारूप को लेकर भ्रमित रहे तथा अतिथि के स्वागत की बात अधिक स्पष्ट नहीं कर पाए।

प्रश्न–4 (vi) (a) असफल हो जाने पर उसे भारी दुःख हुआ। वाक्य शुद्ध करने में कठिनाई।

(b) परिश्रमी व्यक्ति विपत्तियों से नहीं घबराता है। वचन बदलने में कठिनाई।

(c) जीवन–भर मैं इसी आचरण का पालन करता आया हूँ। रेखांकित शब्द का एक शब्द लिखकर वाक्य पुनः लिखने में कठिनाई हुई।

प्रश्न–5 (ii) उस व्यक्ति का विश्वास क्या है बताने में कठिनाई हुई।

(iv) कहानी का उद्देश्य लिखने में कठिनाई हुई।

प्रश्न–6 (i) उसने क्या देखा लिखने में कठिनाई।

(iii) 'क्षण–भंगुर' का अर्थ समझने में कठिनाई।

प्रश्न–7 (ii) कलंक का टीका लगाने वाला युवक कौन था? लिखने में भ्रमित हुए।

प्रश्न–8 (iv) 'कायर' तथा 'अयोग्य' शासक की बात को समझने में कठिनाई।

प्रश्न–9 (ii) 'वचन' को लेकर भ्रमित रहे।

(iv) परिस्थिति तथा लाचारी को बताने में छात्र असमर्थ रहे।

प्रश्न–10 (i) पंक्तियों का सन्दर्भ स्पष्ट करने में कठिनाई क्योंकि संदर्भ शब्द के अर्थ से छात्र अवगत नहीं।

(iii) ऋण चुकाने की बात पर भ्रमित रहे।

प्रश्न–11 (i) वक्ता तथा श्रोता में भ्रमित रहे।

(ii) श्रोता ने वक्ता से क्या–क्या कहा लिखने में कठिनाई।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

प्रश्न–12 (iv) मनोभावों में क्या अन्तर आया समझने में कठिनाई।

प्रश्न–13 (iii) श्रोता पर वक्ता के कथन का क्या प्रभाव पड़ा तथा क्या उत्तर दिया? लिखने में कठिनाई।

प्रश्न–14 (ii) बादलों की तुलना किससे की बताने में कठिनाई।

(iii) 'नीड़' और 'किनारा' शब्दों का प्रयोग किस सन्दर्भ में हुआ लिखने में कठिनाई।

प्रश्न–15 (ii) पंक्तियों का भावार्थ लिखने में कठिनाई।

(iii) बूँदों के स्वरों की गहराई तथा अनुभूति को छात्र स्पष्ट कर पाने में असमर्थ रहे हैं।

(iv) सावन के मौसम को अधिक स्पष्ट नही कर पाए।

प्रश्न–16 (ii) क्यों पक्ष को स्पष्ट करने में असमर्थ रहे।

(iii) 'आशा के विहंगम' शब्द को स्पष्ट करवाने में असमर्थ रहे।

(iv) शब्दार्थ में 'भूधर' तथा 'भीम' से भ्रमित रहे।

विद्यार्थियों के लिए सुझाव–

- प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित १५ मिनट का सदुपयोग करें। प्रश्न पत्र को दो बार ध्यानपूर्वक और स्थिरचित्त से पढ़ें।
- प्रश्न को गहराई से समझने का प्रयत्न करें।
- निबन्ध–लेखन का अभ्यास आवश्यक है। लेखन से पूर्व दिए गये विषय ध्यानपूर्वक पढ़े और समझें।
- निबन्ध की एक रूप रेखा बना लें एवं सभी आवश्यक बिन्दुओं समावेश करें। असंगत व अनावश्यक बातें न लिखें।
- निबन्ध की भाषा को सुन्दर बनाने के लिए मुहावरे व उक्तियों का यथोचित प्रयोग करें।
- निबन्ध के तीनों भागों यथा प्रस्तावना, मुख्य विष्य और उपसंहार का विशेष ध्यान रखें व अनुच्छेद परिवर्तन का खास ख्याल रखें।
- पत्र लेखन में पत्र का प्रारूप, संबोधन, अभिवादन इत्यादि का विशेष अभ्यास करें।
- व्यवहारिक व्याकरण का मौखिक एवं लिखित अभ्यास करें। अपठित गद्यांश का उत्तर अपनी भाषा में लिखने का अभ्यास करें।
- निर्देशानुसार वाक्य परिवर्त्तन करते समय लिंग, वचन, काल आदि में अनावश्यक परिवर्त्तन न करें।
- पाठ्य पुस्तकसें के सभी पाठों को ध्यान से पढ़े। मात्र कहानी समझकर नहीं।
- पाठों मे आये विशेष संदर्भों की जानकारी अवश्य प्राप्त करें तथा पाठ का आलोचनात्मक अध्ययन करें।
- पाठ के मुख्य बिन्दुओं को बार–बार लिखकर अभ्यास करें और तर्क सहित उत्तर लिखने का प्रयास करें।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers

- अपने विचारों की अभिव्यक्ति करना सीखें व शब्दों के उचित प्रयोग पर ध्यान दें।
- वर्त्तनी संबन्धी अशुद्धियों पर ध्यान दें। श्रुतलेख के माध्यम से उसे सुधारने का प्रयास करें।
- हस्तलेख को अभ्यास द्वारा सुन्दर बनायें।
- शब्द भंडार की वृद्धि के लिए पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त अन्य पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएँ इत्यादि पढ़ें।
- व्याकरण के नियमों का पालन करें।
- स्वध्याय की आदत डालें। समय-समय पर पुस्तकालय से पुस्तकें लेकर पढ़े।
- नाटक, एकांकी इत्यादि मंचन में रूचि लें। इससे भी संदर्भ याद रखना सरल हो जाता है।
- हिन्दी साहित्य तथा भाषा सम्बन्धी अन्य गतिविधियों में अवश्य भाग लें।
- चारित्रिक विशेषताएँ लिखने में रूचि रखें और उसका अभ्यास करें।

www.StudentBounty.com
Homework Help & Pastpapers